दैनिक समाचार पत्र

RNI No-RAJHIN/2021/81002

मरूधर आवाज़

एक रास्ता सच्चाई की ओर...

2

वर्षः 1 | अंकः 245 | दैनिक प्रातः कालीन | जयपुर, शुक्रवार , 15 जुलाई, 2022 | पृष्ठः 6 | मूल्यः 2 रुपए मात्र

हमने कई क्षेत्रों में की संयुक्त परियोजनाओं की पहचान, रोडमैप भी किया तैयारः पीएम मोदी

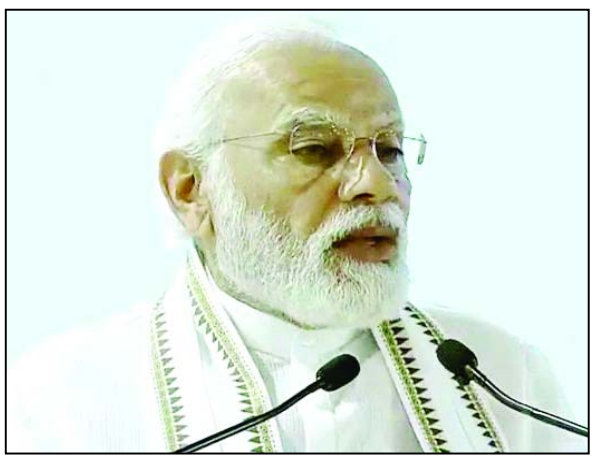

आई2यू2 समूह की पहली बैठक

नयी दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को चार देशों के समूह आई2यू2 समूह की डिजिटल माध्यम से आयोजित होने वाली पहली बैठक में हिस्सा लिया। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज की इस पहली समिट से ही आई2यू2 ने एक सकारात्मक एजेंडा स्थापित कर लिया है। हमनें कई क्षेत्रों में साझा परियोजना की पहचान की है और उनमें आगे बढ़ने का रोडमैप भी बनाया है। उन्होंने कहा कि आई2यू2 ढांचे के तहत हम पानी, ऊर्जा, परिवहन, अंतरिक्ष, स्वास्थ्य और खाद्य सुरक्षा के 6 महत्वपूर्ण क्षेत्रों में संयुक्त निवेश बढ़ाने पर सहमत हुए हैं। यह स्पष्ट है कि आई2यू2 का विजन और एजेंडा प्रगतिशील और व्यावहारिक है।

उन्होंने कहा कि अपनी पारस्परिक शक्ति, पूंजी, विशेषज्ञता और बाजारों को लामबंद करके, हम अपने एजेंडे को गति दे सकते हैं और वैश्विक अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। बढ़ती वैश्विक अनिश्चितता के बीच हमारा सहकारी ढांचा भी व्यावहारिक सहयोग का एक अच्छा मॉडल है।

बाइडेन ने किया रूस का जिक्र

इसी बीच अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा कि आज हम जिन चुनौतियों का सामना कर रहे हैं उनमें तेजी से जलवायु संकट या बढ़ती खाद्य असुरक्षा शामिल है... यूक्रेन के खिलाफ रूस के क्रूर और अकारण हमले से अस्थिर ऊर्जा बाजारों को और भी बदतर बना दिया गया है। उन्होंने कहा कि अभी एक शून्य है, अगले 3 वर्षों में यह समूह नई बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की पहचान करने के लिए काम करने जा रहा है, जिसमें हम निवेश कर सकते हैं और एक साथ विकसित कर सकते हैं... अगर हम एक साथ रहें तो हम बहुत कुछ कर सकते हैं। आपको बता दें कि इस बैठक में प्रधानमंत्री मोदी के अलावा अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन, इजराइल के प्रधानमंत्री यायर लापिड, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के राष्ट्रपति मोहम्मद बिन जायद अल नाह्यान ने हिस्सा लिया। इस बैठक में आई2यू2 ढांचे के तहत संभावित संयुक्त परियोजनाओं तथा अपने क्षेत्र एवं उससे आगे कारोबार एवं निवेश में आर्थिक गठजोड़ को मजबूत बनाने सहित आपसी हितों से जुड़े अन्य क्षेत्रों में सहयोग को लेकर चर्चा हुई। आई2यू2 समूह की संकल्पना 18 अक्तूबर, 2021 को चार देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक में पेश की गई थी। इसमें से प्रत्येक देश सहयोग के संभावित क्षेत्रों को लेकर नियमित रूप से शेरपा-स्तरीय चर्चा करते रहे हैं। आई2यू2 से तात्पर्य इंडिया, इज़राइल, यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ अमेरिका और यूएई है।

श्रीलंका के राष्ट्रपति सिंगापुर में ही रहेंगे। वो अपनी पत्नी संग गुरुवार को मालदीव से सिंगापुर के लिए रवाना हो गए। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा था कि गोटाबाया सिंगापुर के बाद सऊदी अरब जाएंगे

प्रदर्शनकारियों ने खाली किया राष्ट्रपति भवन, सेना ने अपने कब्जे में लिया

कोलम्बो (एजेंसी)।

श्रीलंका के प्रदर्शनकारी राष्ट्रपति भवन और अन्य सरकारी इमारतों से कब्जा छोड़ने के लिए तैयार हो गए हैं। बुधवार को प्रदर्शनकारियों ने पीएम आवास पर भी कब्जा कर लिया था।

रानिल विक्रमसिंघे ने कुछ राजनीतिक दलों पर प्रदर्शनकारियों को समर्थन देने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा फासीवादी सरकार पर कब्जा जमाना चाहते हैं। विशेषज्ञों ने कहा कि श्रीलंका में राजनीतिक अराजकता से बचने और स्थिरता बहाल करने के लिए सभी पक्षों को मिलकर काम करने की जरूरत है। कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका के राष्ट्रपति सिंगापुर में ही रहेंगे। वो अपनी पत्नी संग गुरुवार को मालदीव से सिंगापुर के लिए रवाना हो गए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा था कि गोटाबाया सिंगापुर के बाद सऊदी अरब जाएंगे। उधर, श्रीलंकाई सरकार ने राजधानी कोलंबो में कर्फ्यू की सीमा बढ़ा दी है। कोलंबो में 14 जुलाई दोपहर 12 बजे से 15 जुलाई सुबह 5 बजे तक कर्फ्यू बढ़ाया गया है। बता दें कि गोटाबाया गोटाबाया श्रीलंका छोड़कर मालदीव आ गए थे। गोटाबाया के देश छोड़ने के बाद श्रीलंका में बवाल हो गया है। प्रदर्शनकारियों ने पीएम आवास और दफ्तर पर कब्जा कर लिया है। प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे ने आपातकाल का एलान किया। श्रीलंका के राष्ट्रपति सिंगापुर में ही रहेंगे। वो अपनी पत्नी संग गुरुवार को मालदीव से सिंगापुर के लिए रवाना हो गए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा था कि गोटाबाया सिंगापुर के बाद सऊदी अरब जाएंगे।

प्रदर्शनकारियों ने खाली किया राष्ट्रपति भवन

प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रपति भवन खाली कर दिया है। सेना ने इसे अपने कब्जे में ले लिया है। प्रदर्शनकारियों ने सरकारी इमारतों को खाली करने का एलान किया था।

संसद के बाहर तैनात किए टैंक

श्रीलंका की संसद के बाहर टैंकों की तैनाती की गई है। प्रदर्शनकारियों को संसद भवन में घुसने से रोकने के लिए ऐसा किया गया है। प्रदर्शनकारियों ने बुधवार को पीएम आवास पर कब्जा कर लिया है। प्रदर्शनकारी राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं।

श्रीलंकाई सेना को मिली छूट

श्रीलंका की सेना ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि श्रीलंकाई सैनिकों को संपत्ति और जीवन को बचाने के लिए आवश्यक बल प्रयोग करने के लिए अधिकृत किया गया है।

प्रदर्शनों में एक की मौत, कई घायल

श्रीलंका में बुधवार को सरकार विरोधी प्रदर्शन हुए। प्रदर्शनकारियों को काबू में करने के लिए सुरक्षाबलों ने आंसू गैस के गोले दागे। इसके अलावा हवाई फायरिंग की भी आवाज सुनी गई। स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, इस दौरान कई लोग घायल हो गए। वहीं, एक घायल ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। श्रीलंका के राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे और उनकी पत्नी सऊदी एयरलाइंस की उड़ान स्क्6788 में माले से गुरुवार सुबह रवाना हो चुके हैं। राष्ट्रपति आज शाम सात बजे सिंगापुर पहुंचेंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इसके बाद वह सऊदी अरब के जेद्दा जाएंगे। श्रीलंका की राजधानी कोलंबो की सड़कों पर टैंक तैनात किए गए हैं। लोगों के भारी प्रदर्शन को देखते हुए आर्मी टैंक को उतारा गया है। इसका वीडियो भी सामने आया है। श्रीलंका के राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे सऊदी एयरलाइंस के एक विमान में सवार हो चुके हैं। गोटाबाया सिंगापुर जाएंगे और फिर सऊदी अरब के जेद्दा रवाना होंगे।

कोलंबो में 15 जुलाई तक बढ़ा कर्फ्यू

श्रीलंका सरकार ने कोलंबो में कर्फ्यू बढ़ा दिया है। कोलंबो में 14 जुलाई दोपहर 12 बजे से 15 जुलाई सुबह पांच बजे तक कर्फ्यू जारी रहेगा। कोलंबो में सैन्यकर्मियों के साथ प्रदर्शनकारियों का एक समूह पीएम रानिल विक्रमसिंघे के कार्यालय पर लग्जरी कारों और संपत्ति की सुरक्षा में लगा है। एक प्रदर्शनकारी ने कहा, मैं और मेरे दोस्त इस संपत्ति को बचाने की पूरी कोशिश कर रहे हैं क्योंकि ये जनता के पैसों से बनी है। श्रीलंका में प्रदर्शनकारी जल्द ही सरकारी इमारतों को छोड़ने वाले हैं।

पीएम की कुर्सी की रक्षा कर रहे सुरक्षाकर्मी

पीएम आवास पर प्रदर्शनकारियों ने कब्जा कर लिया है। उधर, श्रीलंकाई सैन्यकर्मी कोलंबो में प्रधानमंत्री कार्यालय में प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे की कुर्सी की रक्षा कर रहे हैं। इसका वीडियो भी सामने आया है।

जयपुर में लेपर्ड का खतरनाक हमला

पांच जनों को किया जख्मी, यूनिवर्सिटी में कई घंटे मचाया आतंक

जयपुर। जयपुर में लेपर्ड के हमले में 5 लोग बुरी तरह से घायल हो गए हैं। एक युवक की हड्डियां तक चबा गया है। गुस्से और डर के कारण वह लगातार लोगों पर हमला करता रहा। मौके पर पहुंची रेस्क्यू टीम को इसे काबू करने में 4 घंटे लग गए। ट्रैंकुलाइज कर उसे काबू किया जा सका। वन विभाग की टीम ने बताया कि बुधवार रात करीब तीन बजे जयपुर शहर के नजदीक चंदवाजी में लेपर्ड ने एक बच्चे सहित 5 लोगों पर हमला कर दिया। सभी घायलों को जयपुर के एसएमएस व प्राइवेट हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। अधिकारियों ने बताया कि लेपर्ड सबसे पहले मोटूका बास ढाणी (चंदवाजी) में घुसा था। यहां एक परिवार पर हमला किया। उसने मां-बाप के साथ सो रहे 10 साल के डेविड मीणा को भी नहीं छोड़ा। डेविड बेहोश हो गया। बेटे को बचाने आई मां सजना देवी (38) और पिता रामफूल मीणा (44) पर भी हमला कर दिया। लेपर्ड ने बच्चे के पिता का हाथ बुरी तरह से चबा लिया। मां के सिर और पीठ पर पंजा मार गंभीर रूप से जख्मी कर दिया। गांव के लोगों ने शोर मचाना शुरू किया तो वह सुबह करीब पांच बजे अपेक्स यूनिवर्सिटी में घुस गया। यहां चौकीदार मुकेश मीणा (35) और एक अन्य व्यक्ति गोविंद कुमार (35) पर हमला कर दिया। इधर, लेपर्ड के गांव में घुसने की सूचना पर रात करीब साढ़े तीन बजे टीम मौके पर पहुंची और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया।

लारेंस बिश्नोई व रिंदा गिरोह के 9 शार्प शूटर्स सहित 13 गिरफ्तार, पंजाब पुलिस के हाथ लगी बड़ी सफलता

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब की भगवंत मान सरकार ने गैंगस्टरों पर नकेल कसनी शुरू कर दी है। पंजाब पुलिस ने लारेंस बिश्नोई और हरविंदर रिंदा गिरोह के नौ शार्प शूटरों सहित 13 गुर्गों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से 13 अत्याधुनिक हथियार और 18 कारतूस बरामद किए गए हैं। पुलिस महानिरीक्षक (आइजी) सुखचैन सिंह गिल ने बताया कि पकड़े गए आरोपित लुधियाना, अमृतसर, फिरोजपुर, तरनतारन, जालंधर, खन्ना, मोहाली और पटियाला में वारदातों को अंजाम दे चुके हैं। ये पांच और हत्याएं करने वाले थे। इसके अलावा बड़ी लूट की भी तैयारी कर रहे थे। सुखचैन सिंह गिल ने बताया कि पुलिस इस एंगल पर भी जांच कर रही है कि पकड़े गए लोगों के संबंध सिद्धू मूसेवाला मर्डर केस से तो नहीं जुड़े हुए हैं। पुलिस को उम्मीद है कि पकड़े गए लोगों से पूछताछ में कई अहम खुलासे हो सकते हैं।

नवविवाहित दंपति से मारपीट कर अगवा करने का खुलासा

झालावाड़। 2 महीने पहले कोर्ट मैरिज करने वाले नवविवाहित जोड़े के घर हथियार समेत घुसकर मारपीट कर अगवा करने के मामले में जिला पुलिस ने टीम भावना की बेहतरीन मिसाल पेश कर लगातार 18 घंटे तक कोटडा व भगवानपुरा के जंगल में सघन सर्च ऑपरेशन चलाकर 3 घंटे के अंदर अपहृत पति एवं 18 घंटे के अंदर पत्नी को दस्तयाब कर लिया। इस कार्रवाई के लिए 100 पुलिसकर्मियों की 10 टीमों का गठन किया गया था। युवती के पूर्व पति ने अपने परिजनों और दोस्तों के साथ मिलकर घटना को अंजाम देने की साजिश रची थी। झालावाड़ एसपी ऋचा तोमर ने बताया कि थाना डग निवासी फूलाबाई ने बुधवार रात एक रिपोर्ट दर्ज कराई। जिसमें बताया कि आज रात 8:00 बजे वह अपने दोनों बेटों राजू और अरविंद, अरविंद की पत्नी सपना और दोस्त नरेंद्र सिंह के साथ खाना खा रही थी। इसी बीच हाथों में लाठी, तलवार ओर बंदूक लिए 7-8 अज्ञात व्यक्ति उनके घर में घुस गए और सभी के साथ हथियार एवं लात-घूंसों से मारपीट की। उसके बाद बेटे अरविंद और सपना को मारपीट करते हुए साथ में लाए चौपहिया वाहन में अगवा कर ले गए। घटना की गंभीरता को देख एसपी तोमर द्वारा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रकाश कुमार शर्मा और देवेंद्र सिंह राजावत के निर्देशन व सीओ बृज मोहन मीणा के सुपरविजन में एसएचओ डग प्रेम बिहारी, एसएचओ मिश्रौली अजय कुमार शर्मा, एसएचओ भवानीमंडी विजय सिंह, एसएचओ पगारिया, सुनेल, पिड़ावा एवं साइबर सेल से 100 पुलिसकर्मियों की 10 टीमें गठित की। गठित की गई टीमों ने तुरंत ही टीम भावना से काम करते हुए घटना में प्रयुक्त वाहन का लगातार पीछा किया। पुलिस को पीछा करते देख आरोपी गाड़ी को छोड़ कोटडा के जंगल में छिप गए। सभी टीमों द्वारा रात को कोटला के जंगल में सर्च ऑपरेशन चलाया गया और मात्र 3 घंटे के अंदर अपहृत अरविंद को घायल अवस्था में दस्तयाब कर तीन आरोपियों को डिटेन किया। अगवा की गई सपना की तलाश में पुलिस की टीमों ने रात भर ऑपरेशन जारी रखा। गुरुवार दोपहर 12:00 बजे कोटडा-भगवानपुरा के जंगलों से सपना को दस्तयाब कर उसके पूर्व पति धनराज को डिटेन किया गया। अपहृत अरविंद व सपना को अस्पताल में दाखिल करवाया गया है।

इन्हें किया गया गिरफ्तार

अपहृत सपना के पूर्व पति धनराज मेहर पुत्र भैरू लाल (22) निवासी भगवानपुरा थाना पिडावा के अलावा श्यामलाल मेहर पुत्र रोडुलाल (30) व रोडु लाल मेहर पुत्र प्रकाश लाल (35) निवासी कोटडा थाना पिडावा, रमेश मेहर पुत्र माधु लाल (50) निवासी गुराडिया जोगा थाना मिश्रोली एवं एलकार सिह पुत्र दुल्हे सिह निवासी बांसखेडी थाना पिडावा को गिरफ्तार किया गया है। अपहृत सपना ने पुलिस को बताया कि धनराज से उसकी शादी परिजनों की रजामंदी से हुई थी। शादी के बाद धनराज उसके साथ मारपीट करता था। जिसकी वजह से उसने उसे छोड़कर अरविंद से कोर्ट मैरिज कर ली। धनराज व उसके परिजन उनसे झगड़ा राशि की मांग करने लगे।

लोक देवता सामाजिक समरसता के प्रतीक - योगी

जयपुर। राजधानी के चंदवाजी थाना क्षेत्र में गुरूवार को गुरू पूर्णिमा के दूसरे दिन भी भक्ति मय वातावरण देखने को मिला. आपको बता दे कि नाथ समाज राजस्थान के अध्यक्ष ईश्वर योगी के संम्बोधन ने भारतीय सनातन संस्कृति की परिभाषा देते हुए एक बार फिर भक्तिमय माहौल बना दिया. मिली जानकारी के अनुसार आमेर विधानसभा के चंदवाजी थाना क्षेत्र के ग्राम धलेर स्थित गरीब नाथ आश्रम में गुरूवार को नाथ समाज के अध्यक्ष ईश्वर योगी ने शिरकत की. कार्यक्रम में श्रदालुओं को संबोधित करते हुए ईश्वर योगी ने कहा कि भारत की एक बेहद प्राचीन ऐतिहासिक संस्कृति है विभिन्न स्थानों पर स्थित तपोभूमि मंदिर मठ आदि सदियों से हमारी आस्था का केंद्र है. लोक देवता सामाजिक समरसता के प्रतीक होते हैं ऐसे आयोजनों में हमें बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए. वही योगी ने बताया कि भारतीय सनातन संस्कृति के अनुरूप

हमें खान पान रहन सहन चाल चलन पहनावे को ध्यान रखते हुए समाज में सादगी व पवित्रता के उद्देश्य ही मानव का कल्याण संभव है. वही आपको बता दे कि योगी ने आश्रम में हुए भण्डारे के लिए 80 हजार रुपए देने की घोषणा की. तो दूसरी ओर योगी ने महाराज रतन नाथ से आशीर्वाद लिया इसके बाद में ग्रामीणों ने योगी का भव्य स्वागत किया.इस अवसर पर वार्डपंच रामेश्वर प्रसाद बुनकर सहित गणमान्य लोग उपस्तिथ थे!

क्या आपके क्षेत्र की समस्या को प्रशासन द्वारा किया जा रहा है नजरअंदाज ?

अब जनता की आवाज बनेंगे हम

आपके क्षेत्र की सभी छोटी बड़ी समस्याएं जिन्हें प्रशासन द्वारा नजरअंदाज किया जा रहा है

हमें बताए नीचे दिए गए नंबर पर वॉट्सएप करे

6367718601

मरुधर आवाज दैनिक हिंदी समाचार पत्र

चतुरंग नृत्य कला केंद्र एंड परफॉर्मिंग आर्ट एकेडमी में गुरु पूर्णिमा का पर्व बड़े ही धूमधाम से मनाया गया

❒ मरूधर आवाज

जयपुर। नृत्य गुरु सुधाकर दवे ने बताया कि हर साल की तरह गुरु पूर्णिमा का यह पावन पर्व बड़े हर्षोल्लास के साथ सभी विद्यार्थियों के साथ क्रमश: नृत्य गायन वादन के विद्यार्थियों के मनाया जाता है साथ साथ ही इस पर्व पर गुरु का पूजन एवं सभी वाद्य यंत्रों का पूजन किया गया सभी विद्यार्थियों का मुंह मीठा करा कर सभी को शुभ आशीष प्रदान किया गया।

मनोहरपुर थाना पुलिस ने कैंटर से जब्त की तीन लाख रुपए की अवैध शराब

वाहन चालक पुलिस नाकाबंदी देखकर मौके से हुआ फरार, बिशनगढ़- मनोहरपुर रोड पर पुलिस ने की कार्यवाही

❒ मरूधर आवाज

मनोहरपुर। थाना पुलिस ने अवैध शराब की बिक्री को रोकने के लिए चलाए गए अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए गुरुवार को बिशनगढ़ – मनोहरपुर सड़क पर एक कैंटर से करीब तीन लाख रुपए की अवैध देसी शराब जब्त करने में सफलता प्राप्त की है। वाहन चलाते पुलिस नाकाबंदी देखकर बबूल के पेड के नीचे कैंटर को छोड़कर मौके से फरार हो गया । मनोहरपुर पुलिस ने अवैध शराब तस्करी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। थाना प्रभारी मनीष कुमार शर्मा ने बताया कि मुखबिर खास से सूचना मिली थी कि अमरसर राडावास सड़क होता हुआ एक कैंटर मनोहरपुर की ओर आ रहा है। उसमें अवैध देसी शराब के कार्टून बने हुए । सूचना के बाद में पुलिस थाने के एएसआई रामु सिंह व कॉन्स्टेबल मुकेश ने मनोहरपुर नदी रोड़ के पास नाकाबंदी शुरू कर दी। इस दौरान

राडावास की ओर से एक कैंटर आता हुआ दिखाई दिया। पुलिस ने उसको रोकने का इशारा किया। चालक पुलिस की नाकाबंदी देखकर कैंटर को तेज गति से भगा कर ले गया । चालक ने कैंटर को बबूल के पेड के नीचे खडा कर दिया। चालक बबूल के पेड़ों की ओट में मौके से फरार हो गया । पुलिस ने जब मौके पर वाहन की की जांच की तो उस पर बोलेरो की फर्जी नंबर प्लेट पाई गई। इस पर कैंटर चालक को तलाश किया गया। काफी देर तलाशी के बाद भी चालक नही मिलने पर कैंटर में अवैध शराब होने की शक होने पर मनोहरपुर थाने परिसर लेकर आ गए। कैंटर से अवैध देसी शराब के 290 कार्टून मिले जिसमें से प्रत्येक में 48 पव्वे भरे हुए थे जब शराब की बाजार कीमत करीब तीनलाख रुपए बताई है ।पुलिस ने अवैध तस्करी का मामला दर्ज करके देसी शराब के कार्टूनों को माल खाने में रखवाया है

लोक देवता सामाजिक समरसता के प्रतीक - योगी

❒ मरूधर आवाज

मनोहरपुर। राजस्थान नाथ समाज के प्रदेश अध्यक्ष ईश्वर योगी ने कहा कि भारत की एक बेहद प्राचीन ऐतिहासिक संस्कृति है विभिन्न स्थानों पर स्थित तपोभूमि मंदिर मठ आदि सदियों से हमारी आस्था का केंद्र है, यह शब्द योगी ने धलेर में स्तिथ गरीब नाथ जी के आश्रम में आयोजित गुरु पूर्णिमा महोत्सव में उपस्तिथ श्रद्धालुओ को सम्बोधित करते हुए कहे योगी ने कहा कि लोक देवता सामाजिक समरसता के प्रतीक होते हैं ऐसे आयोजनों में हमें बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए योगी ने कहा कि भारतीय सनातन संस्कृति के अनुरूप हमें खान पान रहन सहन चाल चलन पहनावे को ध्यान रखते हुए समाज में सादगी व पवित्रता के उद्देश्य ही मानव का कल्याण संभव है योगी ने कहा कि परिवार को प्यार करने वाला ही विश्व को प्यार कर सकता है योगी ने आश्रम में हुए भण्डारे के लिए 80 हजार रुपए देने की घोषणा की योगी ने महाराज श्री रतन नाथ जी से आशीर्वाद लिया इसके बाद में ग्रामीणों ने योगी का भव्य स्वागत किया इस अवसर पर वार्डपंच रामेश्वर प्रसाद बुनकर सहित गणमान्य लोग उपस्तिथ थे।

पंचायत से रोकड़ बही गायब, वार्ड पंचों ने किया पंचायत प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन

❒ मरूधर आवाज

मनोहरपुर। ग्राम पंचायत मनोहरपुर में संचालित रोकड़ बही पंचायत से गायब है ।इसकी सूचना वार्ड पंचों को लगी तो उन्होंने पंचायत प्रशासन के खिलाफ मूल रोकड़ पंजीका को उपलब्ध कराने के लिए उपखंड अधिकारी को पत्र लिखा है । वार्ड पंच मोहन संतका, प्रीतम सोनी सहित अन्य ने उपखंड अधिकारी को लिखे ज्ञापन में बताया है कि मनोहरपुर ग्राम पंचायत की रोकड़ बही जिसमें करीब 8 से 10 करोड़ के विकास कार्य का इंद्राज है । वह पंचायत से गायब है । अभी हाल में नियुक्त ग्राम विकास अधिकारी रामधन से रोकड़ बही के संबंध में जानकारी मांगी तो उन्होंने कहा कि मुझे पुरानी रोकड़ बही नहीं मिली है । न हीं किसी प्रकार के चार्ज का आदान प्रदान किया गया है। इस बात पर गुस्साएं वार्ड पंचों ने पंचायत प्रशासन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रोष जाहिर किया हैं। गौरतलब है कि वार्ड पंचों ने पूर्व में भी आयोजित पाक्षिक बैठकों में रोकड़ बही उपलब्ध कराने की बात कही है लेकिन उनको अभी तक रोकड़ पंजी का उपलब्ध नहीं कराई गई है।

प्रबोधको ने मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

लालसोट (दौसा)। अखिल राजस्थान प्रबोधक संघ लालसोट द्वारा गुरुवार को मुख्यमंत्री की बजट घोषणा के अनुसार प्रबोधको की डीपीसी कर वरिष्ठ प्रबोधक बनाने के उपरांत उचित पद पर पदस्थापन नहीं देने के विरोध में मुख्यमंत्री के नाम नायब तहसीलदार हुकुम चंद मीणा को ज्ञापन सौंपा। प्रदेश मंत्री मुकेश सैनी बगड़ी एवं ब्लॉक अध्यक्ष आलम खान के नेतृत्व में सौंपे गए ज्ञापन में प्रबोधक पदोन्नति नियमानुसार किए जाने की मांग की गई। ज्ञापन दिए जाने के दौरान हनुमान पांचाल, रामजी लाल शर्मा, शिवराज सिंह, मोहन लाल मीणा, रमेश सैनी, राम खिलाड़ी मीणा, रतन शर्मा एवं कजोड़ शास्त्री सहित अन्य प्रबोधक उपस्थित रहे।

मनोहरपुर कस्बे में कैमरे लगाने के लिए ग्रामीणों के समूह ने नायब तहसीलदार व थानाधिकारी को सौपा ज्ञापन

आपराधिक घटनाओं की रोकथाम के लिए तीसरी आंख का अभाव अपराधियों के हौसले बुलंद पुलिस प्रशासन ने में पंचायत प्रशासन का इस समस्या पर नहीं जा रहा ध्यान

❒ मरूधर आवाज

मनोहरपुर। कस्बे में बढ़ती आपराधिक गतिविधियों की रोकथाम के लिए वार्डपंचों एवं ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री के नाम नायब तहसीलदार एवं थानाधिकारी को ज्ञापन देकर कैमरे लगवाने की मांग की है। सामाजिक कार्यकर्ता सम्पूर्णानंद शर्मा ने बताया की इन दिनों क्षेत्र में चोरी सहित अन्य आपराधिक घटनाएं बढ रही है ।इनसे बचने के लिए मुख्य चौराहों पर कैमरे लगाए जाना आवश्यक है कस्बे में आमजन की सुरक्षा एवं अपराधों पर अंकुश लगाने में पुलिस को तीसरी आंखों की नजरों की आवश्यकता हैं किंतु ना तो पुलिस और ना ही पंचायत प्रशासन ने सीसीटीवी कैमरे लगाने की दिशा में ठोस कदम नही उठाएं हैं। तीसरी नजर के अभाव में अपराधियों के हौसले बुलंद हैं। वे आपराधिक वारदातों को अंजाम देकर पुलिस प्रशासन को ठेंगा दिखाते हुए रफूचक्कर हो जाते हैं। पुलिस को वारदातों का खुलासा करने के लिए निजी संस्थानों बैंक ,होटल, दुकानों पर पर लगे सीसीटीवी के फुटेज खंगालने पड़ते हैं।(निस.) सीसीटीवी लगे तो होगी अपराधों की रोकथाम पुलिस को कस्बे के मुख्य स्थानों एवं चौराहों पर सीसीटीवी लगाकर उसकी कमांड पुलिस थाने में रखनी चाहिए। जिससे कि कस्बे में होने वाली छोटी से छोटी व बड़ी से घटना पर पुलिस की पैनी नजर रहेगी। वार्डपंच मोहन संतका, किशन जिंदल, वाशिम कुरैशी,

सलीम खान, सहित अन्य ने बुधवार को नायब तहसीलदार छीतरमल सैनी व थाना प्रभारी मनीष शर्मा को मुख्यमंत्री के नाम कैमरे लगाने के लिए ज्ञापन दिया है करीब 4 किलोमीटर की परिधि में फैली हैं मनोहरपुर ग्राम पंचायत जयपुर जिले से करीब 50 किमी की दूरी पर मनोहरपुर ग्राम पंचायत में 43 वार्ड स्थित है कस्बे की टोल प्लाजा, उप तहसील, पुलिस थाना, कस्बे में पुलिस चौकी, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, आयुर्वेद केंद्र, सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालय व विद्यालय, कई बैंक व ब?ा बाजार है जहाँ पर आसपास के गांव सहित ढाणियों के लोग खरीददारी करने आते है सीसीटीवी फुटेज के लिए दूसरे पर निर्भरता कस्बे सहित थाना इलाके में किसी भी प्रकार की आपराधिक वारदात होने पर पुलिस को कस्बे में निजी संस्थानों जैसे (बैंक, होटल दुकान व मकानों के आगे लगे सीसीटीवी कैमरों में फुटेज देखने के लिए उनके मालिकों की अपने विश्वास में लेना पडता हैं कई बार सीसीटीवी फुटेज रिकॉर्ड नहीं होते हैं तो कई बार साइड सही नहीं बताते हैं सीएलजी बैठक में कई बार उठा सीसीटीवी लगाने का मुद्दा थाने में आयोजित सीएलजी की बैठक में कई बार सीएलजी सदस्यों ने कस्बे के प्रमुख मार्गों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने के लिए थानाधिकारी को अवगत करा चुके है मनोहरपुर के पूर्व थानाधिकारी नरेंद्र भडाना के समय कुछ सीएलजी सदस्यों ने अपने खर्चे से सीसीटीवी कैमरे लगाने के लिए बाकायदा कार्यवाही रजिस्टर में अपना नाम लिखवाया था। किंतु भडाना के स्थानांतरण के साथ ही मामला ठंडे बस्ते में चला गया। वही पंचायत प्रशासन को भी कई बार कस्बे के प्रमुख मार्गों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने के लिए पत्र देकर एवं मौखिक भी अवगत कराया गया हैं मुख्य चौराहों पर सीसीटीवी कैमरे नहीं होने से कस्बे में होने वाली आपराधिक वारदातों में लिप्त अपराधियों को पहचानने में परेशानी तो आती है मनीष कुमार शर्मा,थानाधिकारी, मनोहरपुर

एडवोकेट के घर पर पथराव करने और ऐप कॉल के द्वारा धमकी देने वाले तीन बदमाश गिरफ्तार

❒ मरूधर आवाज

जयपुर। खोह नागोरियान थाना पुलिस ने एडवोकेट के घर पर रात को पथराव करने और ऐप कॉल के द्वारा धमकी देने वाले तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया हैं। पुलिस ने वारदात के समय काम में ली गई कार को बरामद किया हैं। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही हैं डीसीपी (पूर्व) डॉ राजीव पचार ने बताया कि जयपुर शहर के थाना खोह नागोरियान जयपुर पूर्व के क्षेत्र में 13 जून को राजस्थान हाईकोर्ट एडवोकेट चित्रांक शर्मा के घर पर रात को बदमाशों ने पथराव कर दिया था। मामला दर्ज करने के बाद पुलिस ने बदमाशों को पकड़ने के लिए एडिशनल डीसीपी अवनीश कुमार, एसीपी मालवीय नगर देवीसहाय और थानाधिकारी मनोहरलाल के नेतृत्व में टीम का गठन किया। टीम ने कार्रवाई करते हुए घटनास्थल के आस-पास लगे सीसीटीवी फुटेज को देखकर कई संदिग्ध व्यक्तियों की

पहचान की। फुटेज को चैक करने के बाद पुलिस ने तीन बदमाशों को दबोच लिया। पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने एडवोकेट चित्रांश शर्मा के घर पर रात को पथराव करना और एप कॉल द्वारा वर्चुअल कॉलिंग को स्वीकार कर लिया। पुलिस ने इस मामले महवा मेहंदीपुर बालाजी दौसा हाल नन्दपुरी कॉलोनी सोडाला निवासी संतोष मीना उर्फ सुमित, श्याम सरोवर जीरोता कला सदर दौसा हाल गोलीमार गार्डन सहकार मार्ग अशोक नगर निवासी कुणाल शर्मा और भुसावर भरतपुर हाल सूर्य नगर महेश नगर का रहने वाला हैं। इस पूरे मामले में घटनास्थल के आस-पास लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगालते हुए हुलिए के अनुसार सूचनाओं को संकलित करते हुए तकनीकी शाखा से विजय राठी और स्पेशल टीम से कांस्टेबल हरूराम ने अहम भूमिका निभाई। पुलिस पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ कर अन्य जानकारियां जुटाने में लगी हुई हैं।

जिले में चल रहे विभिन्न कार्यों का निरीक्षण किया

जल शक्ति अभियान के केन्द्रीय नोडल अधिकारी राजेन्द्र रतनू जिले के चार दिवसीय दौरे पर

❒ मरूधर आवाज

महेन्द्र धाकड़/चित्तौड़गढ़। जल शक्ति अभियान के केन्द्रीय नोडल अधिकारी राजेन्द्र रतू ने बुधवार को जल शक्ति अभियान के तहत जिले में चल रहे विभिन्न कार्यों का निरीक्षण किया। सर्व प्रथम चित्तौड़गढ़ पंचायत समिति क्षेत्र में ग्राम पंचायत सेमलिया में महात्मा गांधी नरेगा अन्तर्गत निर्मित की जा रही तलाई निर्माण का अवलोकन किया। ग्रामीणों से चर्चा करते हुए कहा कि तलाई निर्माण में पिचिंग कार्य किया जाना तथा वर्षा जल को भूजल में परिवर्तित करने के लिये रिचार्ज स्ट्रक्चर को अतिरिक्त रूप से जोड़ा जाना चाहिए। सेमलिया ग्राम पंचायत के सरपंच से तलाई के आस-पास के कुओं और ट्यूबवेल की जानकारी लेते हुए उपस्थित अधिकारियों को क्षेत्र में अधिक से अधिक जल संरक्षण की संरचनाओं का निर्माण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने

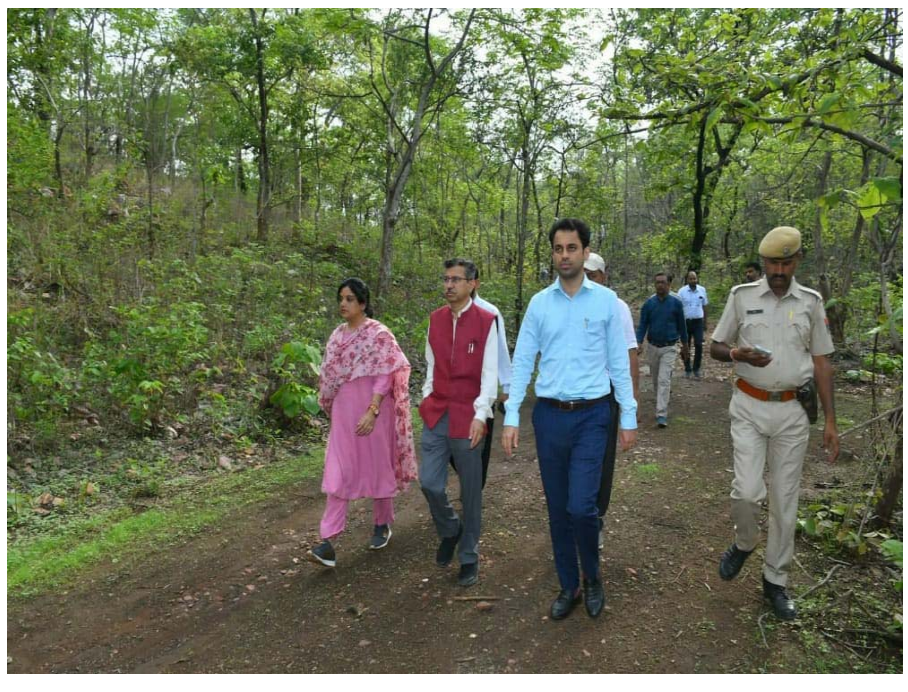

ग्राम पंचायत शंभूपुरा की पाटनिया में निर्माणाधीन अमृत सरोवर तालाब का निरीक्षण कर कार्य की सराहना करते हुए सुझाव दिया कि अधिक से अधिक अमृत सरोवर निर्मित कराए जाए और तालाब के समीपस्थ क्षेत्र में सघन पौधरोपण हो। इस दौरान उपस्थित ग्रामीणों से संवाद भी किया। तत्पश्चात् निम्बाहे?ा पंचायत समिति क्षेत्र की ग्राम पंचायत रानीखेड़ा में राजीव गांधी सेवा केन्द्र पर निर्मित रूफ टॉप रेन वाटर हारवेस्टिंग स्ट्रक्चर का अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान जानकारी लेते हुए संबंधित उपस्थित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। यहां से श्री राजेन्द्र रतनू बड़ीसादड़ी सीतामाता अभयारण्य में दमदमा क्षेत्र पहुंचे, जहां सीसीटी कार्यों का अवलोकन करते हुए कार्यों उपयोगी बताया साथ ही उप वन संरक्षक ने जानकारी दी कि इस क्षेत्र में 10 हजार ट्रेन्चेज बनाई गई है ।निरीक्षण के दौरान जल शक्ति अभियान के केंद्रीय तकनीकी अधिकारी यतीन्द्र सिंह वैज्ञानिक, जिला कलक्टर अरविन्द पोसवाल, अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद राकेश पुरोहित, आर. के. अग्रवाल अधीक्षण अभियंता वाटरशेड सहित विभिन्न विभागों के अधिकारीगण, विकास अधिकारी एवं ग्रामीण जन उपस्थित थे।

हादसे को न्योता देता खोजावाला का मुख्य रास्ता

प्रशासनिक अधिकारियों के नहीं टिक रही नजर

❒ मरूधर आवाज

मनोहरपुर। इन दिनों लगातार बारिश का दौर कई क्षेत्रों में जारी रहा तेज बारिश के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में बने रोड़ों की बुरी दशा नजर आने लगी है ऐसा ही एक नजारा देखने को मिला शाहपुरा उपखंड के ग्राम पंचायत घासीपुरा के खोजावाला का मुख्य रास्ता तेज बारिश के कारण क्षतिग्रस्त हो गया है जिससे राहगीरों को आने जाने में काफी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है ग्रामीण अशोक कुमार बुनकर ने बताया कि यह रास्ता ग्राम खोजा वाला का मुख्य रास्ता है एवं ग्राम खोजावाला एक आबादी क्षेत्र है जिसमें लगभग 500 अधिक व्यक्ति रहते हैं जिसका मुख्य रास्ता तेज बारिश होने के कारण बारिश का पानी रोड पर जमा हो कर रोड पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो चुका है यहां से गुजरने वाले वाहन चालकों को इन गहरे गड्ढों का पता नहीं चल पाता जिससे दोपहिया वाहन चालक गिरकर चोटिल हो जाते हैं गहरे गड्ढों के कारण आमजन काफी परेशान है एवं इन गहरे गड्ढों पर प्रशासनिक अधिकारियों की अभी तक कोई नजर नहीं टिकी है।

गुरुओं की पूजा कर मांगा ज्ञान

❒ मरूधर आवाज

मनोहरपुर। छारसा धाम में ऋषिकेशद्वाराचार्य संत छबिलेशरण, परमानंद कुंडा धाम में संत प्रहलाददास, डिलावरी धाम में संत रघुनंदन दास, भूतनाथ वाटिका में संत अर्जुन दास सहित विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं ने अपने गुरुओं की पूजा-अर्चना करके श्रीढल, सामग्री यथाशक्ति भेंट अर्पित की। गुरुओं ने भी अपने शिष्यों को आशीर्वाद प्रदान किया।

ऋषिकेश से लाया गंगाजल नगर पालिका के प्रत्येक वार्ड में बटेगा

शाहपुरा विधायक आलोक बेनीवाल की अनोखी पहल, श्रावण मास में शिव पर छढ़ेगा गंगाजल

❒ मरूधर आवाज

शाहपुरा। शाहपुरा विधायक आलोक बेनीवाल व पत्नी सविता बेनीवाल की पहल से शाहपुरा नगरपालिका परीक्षेत्र को श्रावण मास में भोले को जल अभिषेक करने के लिए ऋषिकेश से लाया गंगाजल नगर पालिका के वार्ड नंबर 18 व 12 में कांग्रेस के विधानसभा अध्यक्ष व मीडिया के चेयर पर्सन राजेश मंडोवरा के मुख्य अतिथि में ऋषिकेश से लाया गंगाजल प्रत्येक घरों में वितरित किया गया इस दौरान अध्यक्ष राजेश मंडोवरा ने कहा कि पिछली बार की तरह इस बार भी जन सेविका सविता बेनीवाल के अथक प्रयासों से ऋषिकेश से लाया हुआ गंगाजल नगर पालिका के प्रत्येक वार्ड में कांग्रेसी कार्यकर्ता के द्वारा वितरित किया जाएगा जिससे क्षेत्र की आम जनता शिव भोले को जलाभिषेक कर सकेगी और क्षेत्र में सुख शांति की कामना की जाएगी इस दौरान रमेश नायक, बोदी लाल सैनी, राकेश धानका, संतोष गुर्जर, विक्रम नायक, जुगलकिशोर नायक, प्रकाश चंद बाजिया, शंकरलाल, कालूराम नायक, अजय नायक सहित कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने गंगा जल बंटवाने में सहयोग प्रदान किया।

भामाशाहों ने स्कूल में वितरण कि पाठ्य सामग्री

❒ मरूधर आवाज

रेवदर। ग्राम वासाड़ा में गुरु पूर्णिमा के पावन पर्व पर गुरुजी सचिचानन्द और श्री विजय योगी के आशीर्वाद से और अध्यापक श्रीकांत चुलेट की प्रेरणा से दलपत पुरोहित पुत्र रणछो? पुरोहित के द्वारा राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय वासाडा जेतावाडा के समस्त छात्र छात्रओं को अभ्यास पुस्तिकाओं का वितरण किया गया। साथ ही साथ ग्राम वासाडा के प?ने वाले समस्त बच्चों को अभ्यास पुस्तिका वितरित की गई। इस मौके पीईईओ जेतावाडा के प्रधानाचार्य हरीश कुमार और ग्रामवासी प्रभा भाई, प्रतापराम बाबूराम विक्रम भाई और वासाडा विद्यालय के स्टाफ से प्रधानाध्यापक बीरबल राम , श्रीकांत चुलेट , सुधीर घासिया , धारा सिंह , सुखेन्द्र सिंह , महेंद्र कुमार , अनिल नुवाल समेत समस्त स्टा? मौजूद रहा। विद्यालय परिवार ने भामाशाह परिवार का आभार व्यक्त किया ।

छगन चौधरी बने आरएलपी के बाली ब्लॉक उपाध्यक्ष

राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी की विचारधाराओं और कार्यप्रणाली से प्रेरित होकर डुंगरली से श्री छगन जी चौधरी ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। बाली कार्यालय पर जिला अध्यक्ष श्री बाबुलालजी चौधरी द्वारा श्री छगन जी चौधरी को बाली ब्लॉक उपाध्यक्ष के पद पर नियुक्त किया गया। नियुक्ति होने पर बाली ब्लॉक अध्यक्ष चिमन सीरवी ने माला और साफा पहनाकर स्वागत किया गया। इस उपलक्ष में ब्लॉक मीडिया प्रभारी रमेश चौधरी, ब्लॉक महामंत्री विशाल माली, निजी सचिव हितेश राठौ?, अशोक माली डुंगरली,राकेश सरेल बारवा, जितेन्द्र राव, विक्रम परमार, सोएब खान सहित आरएलपी के कार्यकर्ता और पदाधिकारीगण मौजूद रहे।

बूथ मजबूत हो गया तो भाजपा की जीत कोई नही रोक सकता -मूंढ

संवाददाता मनोहर लाल पंवार

❒ मरूधर आवाज

बायतु। भारतीय जनता पार्टी बायतु मण्डल कार्यसमिति की बैठक गुरुवार को बाबा रामदेव मंदिर निम्ब?ी सर्किल बायतु में भाजपा जिला महामंत्री बालाराम मू? के निर्देशानुसार भाजपा बायतु मण्डल प्रभारी स्वरूपसिंह खारा के मुख्य आतिथ्य में व भाजपा मण्डल हिमथाराम खोथ की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई।बैठक में भाजपा जिला महामंत्री बालाराम मूंढ ने सबोधित करते हुए कहा की भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ता आधारित व संगठन में।विश्वास करने वाली पार्टी है, सभी कार्यकर्ता अपना बूथ मजबूत करले तो आने वाले विधानसभा चुनाव में भाजपा को जीत से कोई नही रोक सकता है, मूंढ ने बूथ सशक्तिकरण की जानकारी देते हुए फोटो युक्त बूथ कार्यकारिणी व पन्ना प्रमुख नियुक्ति की जानकारी दी। भाजपा जिला महामंत्री व बायतु मण्डल प्रभारी स्वरूपसिंह खारा ने भाजपा संगठन के बारे में जानकारी दी व संगठन में इतिहास की जानकारी दी। भाजपा मण्डल उपाध्यक्ष आईदानसिंह सोमेसरा ने स्वागत किया व मण्डल अध्यक्ष हिमथाराम खोथ ने धन्यवाद दिया। राजनीतिक प्रस्ताव का वाचन मण्डल महामंत्री कंवराराम मिर्धा ने किया।

इस मौके पर भाजपा जिला महामंत्री बालाराम मूंढ, मण्डल प्रभारी स्वरूपसिंह खारा, जिला उपाध्यक्ष सिगरती देवी, मण्डल अध्यक्ष हिमथाराम खोथ, जिला कार्यकारिणी सदस्य कुम्भाराम धतरवाल, तगाराम दर्जी, कुम्भाराम सियोल, एडवोकेट कुम्भसिंह सऊ, आईदानन सिंह, टीकमाराम लुखा, रतनाराम भील, सागराराम मेघवाल, हीराराम सारण, जोगाराम भोजासर, हनुमान जांनी, तिलोकचंद चौधरी, धनाराम तर?, खेताराम मेघवाल, चिमाराम सऊ, रामाराम ढाका, अणदाराम फोजी, किरताराम दर्जी, लुम्भाराम दर्जी, सुखदेव खीच?, मानाराम जाखड़ सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

रेलवे पटरी पार करते समय मालगाड़ी की चपेट में आने से गौवंश गम्भीर रूप से हुआ घायल

❒ मरूधर आवाज

पिंडवाड़ा । अजमेर अहमदाबाद रेल लाइन के पिंडवाड़ा रेलवे स्टेशन के पास एक गौवंश ट्रेन की चपेट में आने से घायल हो गया। जानकारी के अनुसार सिरोही रोड पिंडवाड़ा रेल लाइन पर गुरु पूर्णिमा के दिन शाम को मालगा?ी की चपेट में आने से एक गौवंश घायल हो गया जिसका प्राथमिक उपचार कर गौशाला भेजा गया। पिंडवा?ा स्थित रेलवे स्टेशन की कुछ दूरी पर बुधवार शाम 6 बजे रेल्वे पटरी क्रॉस करते समय गौवंश मालगा?ी की चपेट में आ गया जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गया जहां आंतरिक घावों से काफी खून बहने लगा। हादसे के बाद आस पास के लोग तुरन्त घटनास्थल पर भागकर पहुँचे। वही घटना की सूचना पर विश्व हिन्दू परिषद प्रखण्ड गौरक्षा प्रमुख भरत टाँक सहित कार्यकर्ता घटनास्थल पर पहुंचे। घटना की सूचना स्थानीय लोगों ने सूरी प्रेम जीव रक्षा केंद्र परलाई पांजरापोल गौशाला में दी। जहां से पशु एम्बुलेंस मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगो द्वारा पशु एम्बुलेंस में गौवंश को डालकर प्राथमिक उपचार के गौशाला भेजा गया जहां पशु चिकित्सक की टीम इलाज में जुट गई।

जनसुनवाई में विभिन्न समस्याओं को लेकर दिया ज्ञापन

बाली। आज उपखण्ड कार्यालय बाली पर उपखण्ड अधिकारी के सान्निध्य में आयोजित जनसुनवाई में राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के जिलाध्यक्ष श्री बाबुलालजी चौधरी के मार्गदर्शन में बाली विधानसभा क्षेत्र के गाँवो से जु?ी विभिन्न समस्याओं के समाधान के लिए उपखण्ड अधिकारी जी एवं विकास अधिकारी जी को ज्ञापन देकर अवगत करवाया गया। जनसुनवाई कार्यक्रम में केसाराम जी सीरवी, मोटाराम जी चौधरी, फूलारामजी पातावा, ब्लॉक अध्यक्ष चिमन सीरवी, निजी सचिव हितेश राठौ? सहित स्थानीय कार्यकर्ता और पदाधिकारी मौजूद रहे।

जिले में 3 पंचायत स्तरीय नंदीशाला का चयन

❒ मरूधर आवाज

जालोर। जिला गोपालन समिति के पदेन अध्यक्ष व जिला कलक्टर निशांत जैन की अध्यक्षता में जिले में पंचायत समिति स्तरीय नंदीशाला की स्थापना एवं नंदीशाला में आधारीभूत परिसंपतियों के निर्माण के लिए कार्यसंस्था के रूप में 3 पंचायत स्तरीय नंदीशाला का चयन किया गया। पशुपालन विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. पूनाराम मेंशन ने बताया कि कार्यकारी संस्था का चयन करने के लिए ऑनलाइन निविदा प्रक्रिया के तहत निविदा शर्तों की पात्रतानुसार जिले में सांचौर व रानीवा?ा के लिए श्री सत्यपुर गौसेवा मण्डर सांचौर तथा जालोर पंचायत समिति के लिए श्री खेतेश्वर गौशाला आश्रम खिरोडी का चयन किया गया हैं। उन्होंने बताया कि वित्तीय वर्ष 2022-23 के प्रथम चरण (माह अप्रेल, मई, जून व जुलाई) 120 दिवस की सहायता राशि के लिए जिला कलक्टर द्वारा जिले की समस्त गौशाला का भौतिक सत्यापन के आदेश जारी किये गये है जिसके तहत समस्त गौशाला प्रबंधकों को निर्देशित किया गया हैं कि वे 31 जुलाई, 2022 तक गौशालाओं के भौतिक सत्यापन संबंधित तहसीलदार एवं मनोनीत पशु चिकित्साधिकारी से करवाया जाना सुनिनिश्चित करें।

उपखण्ड स्तरीय जनसुनवाई में आमजन की समस्याओं का हुआ निस्तारण

सीईओ ने जसवंतपुरा में जनसुनवाई का किया पर्यवेक्षण

जालोर जसवंतपूरा। राज्य सरकार के निर्देशानुसार आमजन की समस्याओं, परिवेदनाओं के निवारण, सुनवाई एवं त्वरित समाधान के लिए त्रिस्तरीय जनसुनवाई व्यवस्था के तहत गुरूवार को जिले के समस्त उपखण्ड मुख्यालयों पर उपखण्ड स्तरीय जनसुनवाई शिविरों का आयोजन किया गया जिनमें आमजन की परिदेनाएं प्राप्त कर प्रकरणों का निस्तारण किया गया। जिला कलक्टर के निर्देशानुसार जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी संजय कुमार वासु ने जसवंतपुरा के पंचायत समिति सभागार में उपखण्ड स्तरीय जनसुनवाई का पर्यवेक्षण किया। जसवंतपुरा में आयोजित जनसुनवाई में मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने परिवेदनाओं को सुनकर अधिकारियों को निस्तारण के लिए निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान कुल 25 प्रकरण प्राप्त हुए जिन्हें निस्तारण के लिए सम्पर्क पोर्टल पर दर्ज किया गया। जिले में आयोजित उपखण्ड स्तरीय जनसुनवाई में विभिन्न विभागों के अधिकारियों-कर्मचारियों ने उपस्थित रहकर अपने-अपने विभाग से संबंधित राज्य सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं की जानकारी ग्रामीणों को उपलब्ध करवाई साथ ही विभिन्न योजनाओं से मौके पर लाभांवित किया गया। इस दौरान मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना, मुख्यमंत्री कन्यादान योजना, अनुप्रति योजना, श्रमिक कल्याण की विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी संबंधित जिला एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों द्वारा प्रदान की गई। जनसुनवाई के दौरान राजस्व, पंचायतीराज, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी, विद्युत, सार्वजनिक निर्माण, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग सहित अन्य विभागों से संबंधित परिवेदनाएँ प्रस्तुत हुई जिनमें से विभिन्न प्रकरणों का शिविर स्थल पर ही निस्तारण किया गया तथा शेष प्रकरण राजस्थान संपर्क पोर्टल पर दर्ज किये गये।

वीसी के माध्यम से जिला एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों की बैठक सम्पन्न

जालोर। जिला कलक्टर निशांत जैन की अध्यक्षता में जिला एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों की वीडियो कॉफ्रेंस बैठक बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक में जिला कलक्टर निशांत जैन ने ब्लॉकवार पीएलपीसी प्रकरणों की समीक्षा करते हुए उपखण्ड अधिकारियों एवं तहसीलदारों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने जिले में भूमि अवाप्ति के प्रकरणों, 15 जुलाई से प्रारंभ हो रहे प्रशासन शहरों के संग अभियान के तहत पात्र लोगों को पट्टे जारी करने की बात कही। उन्होंने जिले में अनीमिया की रोकथाम के लिए मिशन सुरक्षा चक्र के तहत किये जा रहे सर्वे एवं स्क्रीनिंग की समीक्षा करते ब्लॉक चिकित्साधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। वीडियो कॉफ्रेंस में जिला कलक्टर ने मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत पंजीकरण ब?ाने एवं आमजन को बीमा से लाभांवित करने की बात कही। इस अवसर पर अतिरिक्त जिला कलक्टर राजेन्द्र प्रसाद अग्रवाल, मुख्य कार्यकारी अधिकारी संजय कुमार वासु, उप वन संरक्षक यादवेन्द्र सिंह चूण्डावत, आरसीएचओ डॉ.रमाशंकर भारती, डीपीएम चरणसिंह सहित विभिन्न जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे साथ ही ब्लॉक स्तरीय अधिकारी वीसी के माध्यम से जुड़े।

नियम विरुद्ध सड़कों से बहते बरसाती पानी को सीवर चेंबर्स में डालने के खिलाफ जनता सड़कों पर

बगरू शहर विधानसभा क्षेत्र के वार्ड नं.110 में झालाना स्थित काली कमली वाली बगीची के पास पिछले कई महीनों से नगर निगम द्वारा सीसी रोड का निर्माण कराया जा रहा है। स्थानीय निवासी मनोज जाबड़ोलिया ने बताया कि स्थानीय पार्षद और निगम अधिकारियों द्वारा बरसात के दिनों में पहाड़ी से बहकर आने वाले पानी को नाली निर्माण कराए बिना नियम विरुद्ध सीवरेज चैंबर में पाईप लगाकर डालने का काम किया जा रहा था। इसके विरोध में आज स्थानीय निवासियों ने पार्षद और निगम अधिकारियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और कुछ देर तक रोड़ निर्माण कार्य को रुकवा दिया। और मौके पर पार्षद और निगम अधिकारियों ठेकेदार को बुलाने की मांग की। विरोध भारी संख्या में स्थानीय निवासी एकत्र हुए।

सम्पादकीय

हमारे पास महंगाई का आसान इलाज

अमेरिका मंदी की चपेट में है। लगातार दो तिमाही ऐसी गुजर चुकी हैं, जब उसकी अर्थव्यवस्था सिकुड़ती दिखाई दी है। यह खबर पूरी दुनिया के लिए चिंता का विषय है। यह चिंता और बढ़ जाती है, जब पता चलता है कि इस वक्त जो मंदी और भीषण संकट सामने दिख रहा है, वह काफी हद तक उन कदमों का नतीजा है, जो पिछले दो साल में इसी चक्कर में उठाए गए थे कि कहीं मंदी न आ जाए। बड़ा डर इस बात का है कि 70 के दशक की मंदी के साथ-साथ 2008 के आर्थिक संकट की जड़, यानी कर्ज का संकट भी फिर सिर उठा रहा है। ये दोनों अलग-अलग आर्थिक भूचाल ला चुके हैं। अब अगर एक साथ आ गए, तो क्या होगा, सोचा जा सकता है। अमेरिकी अर्थशास्त्री नूरियल रौबिनी ने यही आशंका जताई है और कहा है कि ऐसा हुआ, तो अमेरिकी शेयर बाजार आधा हो सकता है। जाहिर है, अमेरिका को जुकाम की खबर से दुनिया के अनेक दूसरे बाजारों को बुखार चढ़ सकता है। सबसे बड़ी अनिश्चितता तो कच्चे तेल के बाजार में है। पिछले दिनों दो अलग-अलग शोध रिपोर्ट आई हैं, जो एकदम उलटी भविष्यवाणियां कर रही हैं। जेपी मॉर्गन की रिपोर्ट में कहा गया है कि अगर यूक्रेन संकट की वजह से रूस ने तेल उत्पादन में बड़ी कटौती कर दी, जिसकी आशंका है, तो फिर एक बैरल कच्चे तेल का दाम 380 डॉलर तक उछल सकता है। यानी, महंगाई का महाविस्फोट। मगर दूसरी तरफ सिटीग्रुप का कहना है कि अगर दुनिया में मंदी आती दिख रही है, तो फिर कच्चे तेल की मांग बुरी तरह टूटेगी और इस साल के आखिर तक ही इसके दाम 65 डॉलर और अगले साल के अंत तक 45 डॉलर पर पहुंच सकता है। अब इनमें से क्या सही होगा, यह तो आने वाले दिनों में पता चलेगा, लेकिन पेट्रोलियम कारोबार पर नजर रखनेवाले मध्यमार्गी अर्थशास्त्रियों का मानना है कि कच्चे तेल का दाम अभी 100-125 डॉलर के बीच और लंबे दौर में 150 डॉलर तक जा सकता है। हालांकि, यह भी कोई राहत की खबर नहीं है। इतिहास में देखें, तो 1929 की महामंदी अब तक का सबसे डरावना आर्थिक संकट था। चार दिन में अमेरिकी शेयर बाजार 25 फीसदी टूट गया था और उसके बाद लगातार तीन साल तक गिरता ही रहा। अक्तूबर 1929 से जुलाई 1932 के बीच शेयर बाजार से 90 प्रतिशत रकम उड़नछू हो चुकी थी। इसी दौरान अमेरिका की जीडीपी 104 अरब डॉलर से गिरकर 57 अरब डॉलर रह गई। हड़बड़ी में सरकार ने अंतरराष्ट्रीय व्यापार पर जो पाबंदियां लगाईं, उनका उलटा असर हुआ। दुनिया का कुल व्यापार एक तिहाई रह गया। तकलीफ पूरी दुनिया में इस हद तक फैली कि आखिरकार दूसरा विश्व युद्ध छिड़ गया। अब इस बात पर विद्वानों में मतभेद है कि मंदी खत्म होने की वजह दूसरे विश्व युद्ध का शुरू हो जाना था या फिर अमेरिका के नए राष्ट्रपति रूजवेल्ट की नई नीति या 'न्यू डील'। हालांकि, रूजवेल्ट की नीतियों के शुरू होने और विश्व युद्ध छिड़ने के बीच नौ साल का फर्क था, पर दुनिया को और अमेरिका को इस महामंदी से निकलने में इससे ज्यादा ही वक्त लगा। रूजवेल्ट ने रोजगार पैदा करने, कामगारों के अधिकार सुनिश्चित करने और बेरोजगारों को सहारा देने की जो योजनाएं शुरू कीं, उनमें से कई आज तक चल रही हैं। उन्होंने कर्ज लेकर सरकारी खर्च बढ़ाया और अर्थव्यवस्था में जान लौटाने की भरपूर कोशिश की। हालांकि, अब अगर मंदी और कर्ज संकट, दोनों एक साथ सिर उठाते दिख रहे हैं, तो सिर्फ अमेरिका और यूरोप के लिए नहीं, बल्कि भारत के लिए भी फिक्र की वजह है। जब ऐसी मंदी आती है, तो तमाम बड़े-छोटे कारोबारों पर आफत टूट पड़ती है। हालांकि, आपदा में अवसर की भी नजीर है। हार्वर्ड बिजनेस रिव्यू में करीब 10 साल पहले छपे एक लेख में तीन जाने-माने अर्थशास्त्रियों ने 1980, 1990 और 2000 में ऐसी मुसीबत में फंसी करीब 4,750 सूचीबद्ध कंपनियों का अध्ययन किया था। इन सबका बुरा हाल था, लेकिन नौ फीसदी कारोबार ऐसे भी रहे, जो इस मुश्किल वक्त को पार करके न सिर्फ बचे रहे, बल्कि उन्होंने अपने-अपने काम में झंडे गाड़ दिए। जो कंपनियां यहां मिसाल बनीं, उनमें से ज्यादातर पहले से ऐसी स्थिति के लिए तैयार थीं। उन पर कर्ज का बोझ नहीं था या कम था, इसके अलावा फैसला लेने में तेजी, नई तकनीक का बेहतर इस्तेमाल और अपने कामगारों का बेहतर प्रबंधन उन्हें मुसीबत से बचने की ताकत देता है। मगर बात सिर्फ कंपनियों के बचने से तो बनेगी नहीं। इस वक्त अर्थव्यवस्था के सामने जो चुनौती है, उससे निपटने के लिए क्या हो सकता है कि भारत के लिए भी इस आपदा में अवसर निकल सकें। रोजगार के विशेषज्ञों और अर्थशास्त्रियों का कहना है कि भारत जैसे बड़े देश में इस संकट से निकलने के रास्ते तो हैं, पर अब बात सिर्फ अर्थव्यवस्था

> **अमेरिका मंदी की चपेट में है। लगातार दो तिमाही ऐसी गुजर चुकी हैं, जब उसकी अर्थव्यवस्था सिकुड़ती दिखाई दी है। यह खबर पूरी दुनिया के लिए चिंता का विषय है। यह चिंता और बढ़ जाती है, जब पता चलता है कि..**

चुनौतियों से कैसे निपटेंगे स्टार्टअप

आज की तारीख में स्टार्टअप कंपनियों को पूरी दुनिया में तरक्की और उम्मीद की नजर से देखा जाता है। खासतौर से भारत जैसे देशों में जिस तरह से रोजगार या कहें कि नौकरियों का अकाल पड़ा हुआ है, स्टार्टअप हाल के वर्षों में स्वावलंबन का आधार माने जाने लगे हैं। इनकी ज्यादा चर्चा इसलिए हुई है, क्योंकि इनसे नौकरी पाने की होड़ में लगे युवा खुद ऐसी भूमिका में आ रहे हैं कि वे खुद सैकड़ों दूसरे युवाओं को नौकरी दे सकें। रोजगार के नए अवसर पैदा करने के अलावा इनकी एक भूमिका देश की अर्थव्यवस्था में जान फूंकने में भी देखी गई है, क्योंकि दुनिया भर के बड़े पूंजीपतियों ने हाल तक इनमें भारी-भरकम निवेश को प्राथमिकता दी है। यही नहीं, भारत सरकार ने साल की शुरुआत में यूनिकार्न में बदलते स्टार्टअप कंपनियों की तारीफ यह कहते हुए कि थी अब इनमें तेजी आ रही है और हर महीने देश में दो-तीन नई यूनिकार्न कंपनियां खड़ी होने की संभावना बन गई है, लेकिन जितनी तेज रफ्तार से स्टार्टअप के सपने का अभ्युदय हुआ है, हाल की कुछ खबरों को देखें तो उतनी ही तेजी से स्टार्टअप कंपनियों के बुझने के संकेत भी मिलने लगे हैं। एक के बाद एक करके स्टार्टअप डूबने लगे हैं। इसका असर जहां नौकरियों में कटौती के रूप में सामने आया है, वहीं विदेश से इनमें बड़े निवेश की संभावनाओं पर भी तुषारापात होने लगा है। यहां सवाल है कि आखिर स्टार्टअप कंपनियों के साथ ऐसा क्या हुआ है कि अचानक उनकी चमक मंद पड़ने लगी है? क्या ऐसा कोई उपाय है जिसे अपनाकर नौकरी देने और युवाओं में खुद की कंपनी का मालिक बनने की ललक जगाने वाली स्टार्टअप गाथाओं में नई जान फूंकी जा सके?

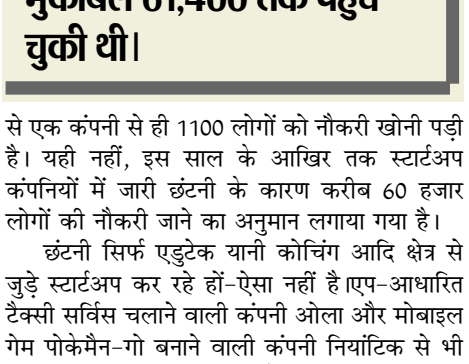

> **इस साल की शुरुआत में ऐसे आंकड़े सामने आए थे, जिनमें नासकाम की रिपोर्ट के आधार पर दावा किया गया था कि बीते वर्ष 2021 में हमारे देश में स्टार्टअप कंपनियों की संख्या वर्ष 2014 के 3,100 के मुकाबले 61,400 तक पहुंच चुकी थी।**

कई मोर्चों पर आईं बुरी खबरें : अगर स्टार्टअप कंपनियों के जरिये मिलने वाली नौकरियों की बात की जाए तो हाल के दिनों में इस मोर्चे पर एक साथ कई बुरी खबरें आई हैं। वैसे तो वैश्विक मोर्चे पर जेमिनी, वाल्ड, बिटपांडा जैसी स्टार्टअप कंपनियों में कर्मचारियों की छंटनी की खबरें सबसे पहले आई थीं, पर जब बताया गया कि भारत में एडटेक और कोचिंग चलाने वाले स्टार्टअप बायजूज, अनअकादमी, वेदांतु, कार्स24, एमपीएल, लिडो लर्निंग, ट्रेल, फारआइ आदि ने भी हजारों कर्मचारियों की छंटनी की है तो इससे घबराहट फैल गई। दावा किया जा रहा है कि अब तक भारतीय स्टार्टअप कंपनियों से 12 हजार लोग निकाले जा चुके हैं। हालांकि बायजूज जैसी कंपनी का कहना है कि उसने अपनी सहयोगी कंपनियों-व्हाइटहैट जूनियर और टापर से महज 500 कर्मचारियों को निकाला है, लेकिन कर्मचारी दावा कर रहे हैं कि इनमें से एक कंपनी से ही 1100 लोगों को नौकरी खोनी पड़ी है। यही नहीं, इस साल के आखिर तक स्टार्टअप कंपनियों में जारी छंटनी के कारण करीब 60 हजार लोगों की नौकरी जाने का अनुमान लगाया गया है।

छंटनी सिर्फ एडुटेक यानी कोचिंग आदि क्षेत्र से जुड़े स्टार्टअप कर रहे हों-ऐसा नहीं है।एप-आधारित टैक्सी सर्विस चलाने वाली कंपनी ओला और मोबाइल गेम पोकेमैन-गो बनाने वाली कंपनी नियांटिक से भी कर्मचारियों की संख्या में कटौती करने की सूचनाएं लगातार मिल रही हैं। बंपर छंटनी का आलम यह है कि पूरी दुनिया में इस साल अब तक जिन करीब 22 हजार लोगों को स्टार्टअप कंपनियों से निकाला गया है, उनमें से 60 फीसद अकेले भारत से ही हैं। यह भी उल्लेखनीय है कि जिन स्टार्टअप कंपनियों में लोगों को नौकरी से हटाने की प्रक्रिया जारी है, उनमें से कई यूनिकार्न भी हैं। यूनिकार्न कंपनी से आशय यह है कि ऐसी कंपनी का कारोबार एक अरब डालर को पार कर गया हो।

बीच राह दम क्यों तोड़ गई पहल : इस साल की शुरुआत में ऐसे आंकड़े सामने आए थे, जिनमें नासकाम की रिपोर्ट के आधार पर दावा किया गया था कि बीते वर्ष 2021 में हमारे देश में स्टार्टअप कंपनियों की संख्या वर्ष 2014 के 3,100 के मुकाबले 61,400 तक पहुंच चुकी थी। सरकार भी दावा कर रही थी कि देश में स्टार्टअप बढ़ने और उनकी कामयाबी की जो रफ्तार है, उसे देखते हुए हर महीने कोई न कोई स्टार्टअप कंपनी यूनिकार्न की पांत में जुड़ रही होगी। स्टार्टअप का मामला इतना लुभावना माना जाने लगा था कि बड़ी-बड़ी कंपनियां इनमें निवेश को लेकर उत्साहित थीं। जैसे वर्ष 2015 में दिग्गज आइटी कंपनी इन्फोसिस ने घोषणा की थी कि वह करीब ढाई करोड़ डालर का निवेश भारतीय स्टार्टअप कंपनियों में करेगी। टाटा की सहयोगी इलेक्ट्रानिक कंपनी क्रोमा अपने कामकाज का कुछ हिस्सा स्टार्टअप कंपनियों को सौंप चुकी है। लेकिन निवेश और कामकाज में हिस्सेदारी की इन सकारात्मक बातों के बीच ही इधर जिस प्रकार से स्टार्टअप की नाकामियों और उनमें बड़ी संख्या में छंटनी की खबरें आई हैं, उन्होंने चिंता पैदा कर दी है। पूछा जाने लगा है कि अचानक ऐसा क्या हुआ, जो स्टार्टअप की उड़ान थमने लगी?

बढ़ता घाटा, कम होता निवेश : वैसे तो कोरोना काल में अच्छी-भली कंपनियों का दम फूल गया था, पर बड़ी कंपनियां अपनी विशाल पूंजी और देश-विदेश में फैले कारोबार के आधार पर मैदान में टिके रहने में सफल हो गईं। ऐसे दौर में स्टार्टअप कंपनियों का बढ़ता घाटा उनके लिए संकट का एक अहम कारण बन गया, लेकिन कोरोना वायरस का प्रसार थमने के साथ व्यापारिक गतिविधियों में तेजी आने के साथ स्टार्टअप कंपनियों में भी जो सकारात्मक हलचल दिखनी चाहिए थी, वह नदारद रही। बताया जा रहा है कि कोरोना के प्रभाव को देखते हुए निवेशक छोटे स्टार्टअप में निवेश को लेकर काफी सावधानी बरतने लगे हैं। लिहाजा अब स्टार्टअप कंपनियों के लिए पैसा जुटाना बेहद कठिन हो गया है। इसका एक बड़ा उदाहरण दुनिया की सबसे बड़ी ई-कामर्स कंपनी अमेजन की प्रतिद्वंद्वी मानी जा रही भारतीय स्टार्टअप कंपनी-मीशो है। पिछले साल मीशो में साफ्टबैंक और फिडेलिटी जैसे बड़े निवेशकों ने भारी निवेश किया था तो कंपनी की बाजार कीमत दोगुनी से ज्यादा बढ़कर पांच अरब डालर यानी साढ़े तीन खरब रुपये पर पहुंच गई थी। सिर्फ मीशो ही नहीं, पिछले वर्ष तमाम भारतीय स्टार्टअप कंपनियों में कुल मिलाकर रिकार्ड 35 अरब डालर यानी करीब 27 खरब रुपये का निवेश आया था, पर निवेश में यह तेजी बरकरार नहीं रह सकी।

अमरनाथ यात्रा

पहाड़ों पर बादलों का कहर

बीती आठ जुलाई शाम साढ़े पांच बजे अचानक अमरनाथ जी की पवित्र गुफा के ऊपर व पार्श्व से आए तेज पानी के सैलाब में समीप में नीचे लगे करीब 25 तंबू, लंगर और तीन सामुदायिक रसोइयां बह गईं। इससे पहले ऊचांइयों में भारी बरसात हुई थी। भीषण जल प्रवाह की चपेट में आने से 16 श्रद्धालुओं की मौत हो गई और कई लापता हो गए। मीडिया ने तत्काल इस जल प्रलय का कारण पवित्र अमरनाथ गुफा में %क्लाउड बर्स्ट% यानी बादल फटना बताया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व अन्य लोगों ने भी अपने संवेदना संदेशों में इसका कारण आकस्मिक %क्लाउड बर्स्ट% को ही बताया था। बादल फटने से 100 मिलीमीटर या करीब चार इंच बरसात एक ही घंटे में हो जाती है। एक-दो वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में कुछ मिनटों में ही एक इंच बरसात हो जाती है। इस बार अमरनाथ यात्रा 30 जून से शुरू हुई थी और दुर्घटना के समय पवित्र धाम में लगभग पंद्रह हजार यात्री थे। किंतु दुर्घटना के अगले दिन यानी नौ जुलाई को भारतीय मौसम विभाग ने कहा कि हो सकता है कि यह क्लाउड बर्स्ट न हो। मौसम विभाग के अनुसार, बादल विस्फोट की स्थिति में 10 सेंटीमीटर प्रति घंटे की बरसात करीब 20 से 30 वर्ग किलोमीटर के भौगोलिक क्षेत्र में होती है। पवित्र धाम में केवल 31 मिलीमीटर बरसात शाम 4.30 से 6.30 बजे के बीच हुई। मौसम विभाग के निदेशक ने %फ्लैश फ्लड% से इनकार नहीं किया, किंतु कहा कि अमरनाथ गुफा के ऊपर पानी पहाड़ों पर तेज बारिश से आया होगा। चूंकि बादल विस्फोट बहुत ही सीमित क्षेत्र में होते हैं, इसलिए इनकी भविष्यवाणी करना मुश्किल होता है। इस परिप्रेक्ष्य में एक महत्वपूर्ण बात यह समझनी चाहिए कि यदि हम नदियों या नालों के जल प्रवाह के बाढ़ प्रसार क्षेत्र में बसना शुरू कर देंगे, तो देर-सबेर हम किसी न किसी जल त्रासदी की चपेट में आ ही जाएंगे। इस संदर्भ में पवित्र अमरनाथ गुफा क्षेत्र से आई तस्वीरों में नंगी आंखों से भी दिख रहा था कि तंबू उसी नदी / नाले / जलधारा के पाट में लगे थे, जिनमें कभी सूखी, कभी केवल बारीक धारा या कभी तेज बरसाती पानी आता है। निस्संदेह हर अतिवृष्टि बादल विस्फोट नहीं होता है। किंतु %क्लाउड बर्स्ट% को बोलचाल में इतना आम कर दिया गया है कि अतिवृष्टियों के पहले बादलों की भारी गड़गड़ाहट और आकाशीय बिजली की बहुतायत व भारी नुकसान को भी आमजन मीडिया से बातचीत में बादल विस्फोट होना कह देता है। उत्तराखंड के लोग इसे स्थानीय बोलचाल में पणगोला फूटना भी कह देते हैं। पहाड़ी क्षेत्रों में पिछले चार-पांच दशकों में नदी घाटियों में बड़ी बंद परिधि में पानी जमा करने की सैकड़ों बहुउद्देश्यीय परियोजनाएं बनी हैं। बड़े-बड़े मानवकृत जलाशय से पहाड़ों में आसपास के क्षेत्रों में अतिवृष्टि की घटनाएं बढ़ सकती हैं। अतिवृष्टि चाहे किसी भी कारण से हो, भले ही उन्हें बादल विस्फोटों के वर्ग में न रखा जा सकता हो, जैसे अमरनाथ हादसे के संदर्भ में मौसम वैज्ञानिक कह रहे हैं, तब भी पहाड़ी ढालों पर जल प्रवाह विध्वंसक ऊर्जा के साथ आगे बढ़ता है। खेत बह जाते हैं। खड़ी फसलें बर्बाद हो जाती हैं। खेत पत्थर बजरी से पट जाते हैं। पहाड़ी गांव के कस्बाई बाजार कई-कई फुट मलबे के ढेर से पट जाते हैं। बहते पानी की राह में पड़ने वाले मकान, दुकान, स्कूल, गौशालाएं, पेयजल प्रणालियां, पेयजल के प्राकृतिक स्रोत आदि क्षतिग्रस्त और पूरी तरह ध्वस्त भी हो जाते हैं।

जीनोम एडिटिंग और भविष्य के सवाल, क्या प्रतिस्पर्धा की दौड़ में गरीबों को पीछे कर देगी ये खोज?

भविष्य में जेनेटिकली इंजीनियर्ड बच्चे नॉर्मल बच्चों से कहीं ज्यादा तेज, समझदार, इम्यूनाइज्ड और प्रतिभा सम्पन्न होंगे। इंसान का ये कदम भविष्य में आर्थिक विषमता के साथ-साथ जैविक असमानता को जन्म देने वाला है।

क्या आप जेनेटिकली डिजाइन्ड बेबी की कल्पना कर सकते हैं? विज्ञान के क्षेत्र में इस क्रांतिकारी घटना को साल 2018 में चीन ने मूर्त रूप दिया। चीनी वैज्ञानिकों की टीम ने एक ऐसे बच्चे को डिजाइन किया जिस पर भविष्य में एचआईवी जैसे जानलेवा वायरस का असर नहीं होगा। इस ऑपरेशन को परफॉर्म करने के लिए उन्होंने एक खास तरह के जीनोम एडिटिंग टूल CRISPR CAS 9 की मदद ली। ये विज्ञान के क्षेत्र में एक क्रांतिकारी घटना थी। इस घटना ने इंसानी भविष्य के समक्ष कई नई संभावनाओं को खड़ा कर दिया है। ऐसे में जेनेटिक इंजीनियरिंग को लेकर अब चर्चाएं काफी तेज हो गई हैं। जीन्स एडिटिंग के जरिए बच्चों के हाव भाव, बुद्धिमत्ता, शारीरिक क्षमता में सामान्य के मुकाबले ज्यादा वृद्धि की जा सकेगी। भविष्य में जेनेटिकली इंजीनियर्ड बच्चे नॉर्मल बच्चों से कहीं ज्यादा तेज, समझदार, इम्यूनाइज्ड और प्रतिभा सम्पन्न होंगे। इंसान का ये कदम भविष्य में आर्थिक विषमता के साथ-साथ जैविक असमानता को जन्म देने वाला है। इससे प्रतिस्पर्धा की दौड़ में गरीब तबका आज के मुकाबले और भी ज्यादा पीछे हो जाएगा। जेनेटिक इंजीनियरिंग आने वाले समय में वैश्विक राजनीति, देशों की सुरक्षा व्यवस्था और उनके उत्थान और पतन का एक बड़ा कारण बनने वाला है।

क्या है जेनेटिक इंजीनियरिंग

इस पृथ्वी पर हर एक जीव का अपना अलग डीएनए (Deoxyribonucleic Acid) होता है। डीएनए ही जीव की बनावट और उसकी संरचना को तय करता है। डीएनए को आप बायोलॉजी की दुनिया का आधार कार्ड भी कह सकते हैं, जिसमें हर एक जीव

की पहचान का प्रमाण छुपा होता है। वहीं डीएनए के कुछ खास हिस्सों को जीन के रूप में जाना जाता है। इन्हीं से जीवों की विशेषताएं तय होती हैं। जीन्स माता पिता द्वारा उनकी अगली संतती में ट्रांसफर होती रहती है। वहीं जीव के सभी जेनेटिक मटेरियल को जीनोम कहा जाता है। वैज्ञानिकों द्वारा जीवों के जीनोम में किए गए बदलाव को जेनेटिक इंजीनियरिंग के नाम से जाना जाता है। जीनोम एडिटिंग के जरिए वैज्ञानिक पेड़-पौधों, बैक्टीरिया, जीव जन्तुओं के डीएनए में बदलाव करके उनके शारीरिक लक्षण जैसे आंखों का रंग, किसी रोग के प्रति उनको इम्यून, उनकी बनावट, कार्य करने की क्षमता आदि चीजों में बढ़ोतरी कर सकते हैं।

कैसे करती है ये तकनीक काम?

आप जिस तरह फोटो को एडिट करते समय कई तरह के फिल्टर और टूल्स की मदद लेकर उसको काफी सुंदर बना देते हैं। ठीक उसी तरह जीनोम एडिटिंग करते समय CRISPR टूल की मदद ली जाती है। CRISPR तकनीक, एक कैंची की तरह जीव के डीएनए को एक खास जगह से काट देती है। इसके बाद वैज्ञानिक कटे हुए डीएनए के स्थान पर अपने मन पसंद के डीएनए को जोड़ देते हैं। ऐसा करके जीव की बनावट उसकी ऊंचाई, लंबाई, बुद्धिमत्ता आदि चीजों को अपने मन मुताबिक बढ़ाया या घटाया जा सकता है।

जीनोम एडिटिंग और भविष्य

अब तक इंसानी बच्चों की बनावट, उसकी बुद्धिमत्ता, रंग, ढंग, चाल, चलन आदि चीजें प्रकृति के ऊपर निर्भर थीं। वहीं आने वाले वक्तों में इंसान ये खुद तय कर सकेगा कि उसका बच्चा कितना होनहार और काबिल होगा। ऐसे में इस तकनीक को लेकर कई नैतिक सवाल खड़े हो रहे हैं।

साल 2013 में नील ब्लोमकैंप की लोकप्रिय फिल्म Elysium रिलीज हुई थी। फिल्म में 2154 के एक डिस्टोपियन फ्यूचर की कहानी को दिखाया गया है, जहां अमीर और साधन संपन्न लोग एक खास तरह के स्पेस स्टेशन पर रह रहे हैं। इस स्पेस स्टेशन का नाम Elysium है, जो पृथ्वी की कक्षा की परिक्रमा करता है। वहीं बाकी बचे लोग बर्बाद हो चुकी पृथ्वी पर गरीबी, लाचारी और बीमारियों के बीच लड़ झगड़ रहे हैं। इन दोनों ध्रुवीकृत समाजों में कई तरह की आर्थिक और जैविक असमानताएं हैं। फिल्म में स्पेस स्टेशन पर रह रहे लोगों के पास जीनोम एडिटिंग से जुड़ी महंगी तकनीकें होती हैं, जो हर तरह की बीमारियों को ठीक करने की क्षमता रखती हैं। वहीं दूसरी तरफ एक समाज ऐसा भी है, जो अपनी छोटी छोटी बीमारियों को लेकर जद्दोजहद कर रहा है।

ऐसे में आज जेनेटिक्स के क्षेत्र में जो ये खोजें हो रही हैं। वह हमारे आने वाले भविष्य में ठीक ऐसी परिस्थितियां खड़ी कर सकती हैं, जहां समाज में आर्थिक विषमता के साथ साथ जैविक असमानता (Biological Inequality) भी होगी। जीनोम एडिटिंग काफी महंगी तकनीक है। ऐसे में इसका इस्तेमाल केवल अमीर लोग ही कर सकेंगे। इस कारण उनके बच्चे साधारण बच्चों के मुकाबले ज्यादा तेज और इम्यूनाइज्ड होंगे। जीनोम एडिटिंग तकनीक के विकास से हमारा समाज एक बड़े स्तर पर पोलोराइज हो सकता है।

सत्ताधीशों की मनमानी का फल भोग रहा है श्रीलंका, निहत्थी जनता ने निर्वाचित सरकार को उखाड़ फेंका

विदेशी कर्ज की अदायगी से हाथ खड़ा कर देने वाली सरकार ने प्रमाण दे दिया कि देश वस्तुतः दीवालिया हो चुका है। इन स्थितियों में भी भारत ने 3.5 खरब डॉलर की मदद दी।

दुनिया के लोकतांत्रिक इतिहास में दर्ज हो गया कि पहली बार निहत्थी जनता ने सड़कों पर आकर, विधिवत एक निर्वाचित सरकार को उखाड़ फेंका, राष्ट्रपति भवन पर कब्जा किया और प्रधानमंत्री आवास को फूंक डाला। श्रीलंका की जनता ने पिछले मई में देश के सर्वशक्तिमान राजपक्षे परिवार के प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे को जान बचाकर भागने और नौसैनिक अड्डे पर शरण लेने को मजबूर कर दिया था। महिंदा की हैसियत अपने भाई, लगभग निवर्तमान हो चुके राष्ट्रपति गोतबाया राजपक्षे से ज्यादा थी, क्योंकि उन्होंने ही राष्ट्रपति के नाते मई, 2009 में तमिल इलाकों को तहस-नहस करवाने के बाद लगभग ढाई दशक से चल रहे गृहयुद्ध को खत्म करवाया था। राजपक्षे परिवार ने तमिलों के पराभव को सिंहल बहुसंख्यकवाद के वर्चस्व की स्थापना के रूप में प्रस्तुत किया था। राजपक्षे परिवार की ताकत का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि देश के शीर्ष चार पदों पर परिवार के लोग ही थे; इसके अलावा नौकरशाही, सेना और अन्य पदों पर भी इसी खानदान के लोग काबिज थे। सत्ता के अहंकार ने राजपक्षे परिवार को जनता के गुस्से का एहसास नहीं होने दिया। महीनों से सड़कों पर उतरे लाखों लोगों की यह बुलंद आवाज भी नहीं सुनाई पड़ी- गोता गद्दी छोड़ दो, गोता अब घर जाओ। गोतबाया ने हिसाब लगाया कि दूसरे परिवार के रानिल विक्रमसिंघे को प्रधानमंत्री बनाकर संकट पर काबू पाया जा सकता है। इस तरह सर्जरी के केस को पेनकिलर से ठीक करने की कोशिश होती रही। लेकिन रोजमर्रा का संकट बढ़ता रहा। पेट्रोल-डीजल, खाने-पीने की चीजों और दवाओं की कमी ने आम आदमी की दुश्वारियों को असहनीय बना दिया। अन्न संकट की वजह यह रही कि जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने रासायनिक खाद के इस्तेमाल पर रोक लगा दी थी। पिछले सीजन में अनाज की पैदावार में भारी गिरावट आ गई। खत्म हो रही विदेशी मुद्रा से तेल आयात रुकने लगा। विदेशी कर्ज की अदायगी से हाथ खड़ा कर देने वाली सरकार ने प्रमाण दे दिया कि देश वस्तुत: दीवालिया हो चुका है। इन स्थितियों में भी भारत ने 3.5 खरब डॉलर की मदद दी। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की टीम दस दिनों तक कोलंबो में रहने के बाद भी कोई भरोसा दिए बगैर लौट गई। प्रधानमंत्री विक्रमसिंघे ने कहा कि इस साल घोर मंदी रहेगी और अन्न, ईंधन व दवाओं का जबर्दस्त अभाव बना रहेगा। सच यह है कि राजपक्षे परिवार ने कांटों और जहरीले कीटों से भरी जिस गहरी खाई में देश को धकेल दिया है, उससे निकलना आसान नहीं है। श्रीलंका घृणा की राजनीति का कुफल भोगने के अभिशाप का एक क्लासिक उदाहरण है। 1948 में आजाद होने के बाद ही सिंहल वर्चस्व की स्थापना का रास्ता तलाशा जाने लगा था। 1956 में करीब 15 प्रतिशत जनता की भाषा, तमिल के वजूद को नकारते हुए सिंहली को देश की एकमात्र भाषा का दर्जा देने का कानून बन गया। व्यापक दबाव में बाद में इसमें परिवर्तन किया गया। इसी एक भाषा नीति की वजह से बौद्ध भिक्षु सोमारामा थेरो ने 1959 में प्रधानमंत्री एसडब्ल्यूआरडी भंडारनायके को उन्हीं के आवास पर गोली मार दी थी।

सिंहल वर्चस्ववादी सरकार ने धीरे-धीरे साफ कर दिया कि श्रीलंका में तमिलों के लिए जगह नहीं है। वर्षों से रह रहे तमिलों को नागरिकता देने के बजाय भारत को लाखों तमिलों को अपनाने के लिए बाध्य किया गया। 1964 के शास्त्री-सिरिमावो समझौते के बाद भी तमिल समस्या हल नहीं हुई, जिसकी परिणति अंतत: 26 साल के गृहयुद्ध में हुई। सिंहली नेता समझ नहीं पाए कि जब दिमागों में नफरत भरी जाती है और समाज का सैन्यीकरण होने लगता है, तो उसका दुष्परिणाम एक वर्ग तक सीमित नहीं रहता। पिछली शताब्दी के आठवें दशक में उग्र सिंहली संगठन, जनता विमुक्ति पेरामुना रोहण विजयवीर के नेतृत्व में सत्ता हथियाने से बस थोड़ी दूर रह गया था। यह छोटे स्तर का गृहयुद्ध था। सिंहली नेताओं ने एक और घातक चूक की। अरमान और औकात के बीच नाभिनाल के संबंध की बिल्कुल अनदेखी करते हुए वे भू-राजनीतिक खेल में कूद पड़े। विदेश में पढ़े सिंहली नेता भू-राजनीति के इस बुनियादी सिद्धांत को भूल गए कि जिनकी जेबें और बखार लबालब न भरे हों, उन्हें इस खतरनाक खेल से दूर रहना चाहिए। भारत को चिढ़ाने के लिए, सामरिक महत्व के त्रिंकोमाली बंदरगाह पर वॉयस ऑफ अमेरिका का स्टेशन बनाने की अनुमति अमेरिका को दे दी। वहां चीन ही नहीं, पाकिस्तान का भी प्रभाव बढ़ने लगा। तमिल इलाकों में रसद पहुंचने का मार्ग बाधित कर दिया गया। इंदिरा गांधी जैसी कड़क प्रधानमंत्री भला यह सब कैसे बर्दाश्त करती!

टीम विद्याधर नगर ने किया कच्ची बस्ती में कपड़ा वितरण

❐ मरूधर आवाज

जयपुर। टीम विद्याधर नगर द्वारा विद्याधर नगर पापड़ के हनुमानजी स्थित कच्ची बस्ती में कपड़ा वितरण किया गया। टीम विद्याधर नगर संयोजक पंकज अग्रवाल ने बताया कि टीम द्वारा कच्ची बस्तियों में कपड़ा वितरण, मेडिकल कैंप, पौधारोपण जैसे अनेक कार्यक्रमों को पिछले कई सालों से चलाया जा रहा है । इस अवसर पर प्रमोद् अग्रवाल अधिवक्ता , राकेश गोयल, रजनीकांत भारद्वाज ,राजू मीणा, संदीप अग्रवाल, डॉ प्रवीण शर्मा, कृष्ण कुमार गुप्ता, जितेन्द्र सैन, इर?न, राजस्थान न्यू? से विक्रम राजावत सहित अनेकों लोग उपस्थित रहे।

विनोद कुमार को राष्ट्रीय राजीव गांधी ब्रिगेड का युवा राजस्थान प्रदेश सचिव नियुक्त किया

❐ मरूधर आवाज

जयपुर। राष्ट्रीय राजीव गांधी ब्रिगेड के युवा प्रदेश सचिव के पद पर विनोद कुमार को नियुक्त किया गया । विनोद कुमार बरवाजी ने बताया कि संगठन ने रविवार को उन्हें प्रदेश सचिव के पद पर नियुक्त किया गया । विनोद कुमार ने बताया कि संगठन ने मुझे ये दायित्व दिया जिसे मेरे द्वारा पूरी ईमानदारी व निष्ठा के साथ निर्वहन करूंगा वह श्री राजीव गांधी की विचारधारा को जन जन तक पहुंचाने के संगठन के उद्देश्य को पूरा करूंगा।

मैसूर रोड़ स्थित राजपुरोहित समाज भवन के परिसर में गुरु पूर्णिमा महोत्सव मनाया गया

❐ मरूधर आवाज

बेंगलूरू। इस भजन संध्या एंव महाप्रसादी के लाभार्थी सुखदेवसिंह राजपुरोहित धरमधारी का समाज बन्धुओ ने सम्मान किया ।बुधवार शाम 7 बजे धर्म गुरू खेतेश्वर दाता की प्रतिमा स्थापित की गई। उसके बाद महाआरती के साथ ज्योत प्रज्वलित कर महोत्सव का शुभारंभ हुआ। भजन गायक कलाकार उम्मेदजी,सुमेरजी, पर्वत सिंह राजपुरोहित,चाँद सिंह भाटी,नारायण सिंह,भैरूसिंह ,जोर सिंह,हड़मत बंजारा, अशोक गोयना की ओर से गणेश वंदना के साथ शुभारंभ करते हुए राजस्थानी लोक भजनों की प्रस्तुति दी गई द्य भजनों पर भक्त भाव विभोर होकर देर रात झूमते रहे द्य इस अवसर पर विलिकेरे केमदोड्डी मैसूर बन्नूर गांव से भक्तगण पहुंचे । इस अवसर पर मुख्य अतिथि लेखराज जी खत्री,भंवरराज सांथू,हरीसिंह आनेकल पदमजी नोरवा,बन्नूर गांव से समाजसेवी महेंद्रसिंह राजपुरोहित,राजेन्द्र सिंह राजपुरोहित,पिन्दुसिंह, ढगलसिंह,बाबूजी,हड़मत , विनोद , मंगल , वाघजी रेवतड़ा,मीठालाल ,मांगीलाल सांथू,नरपत राज राणावत, जितेंद्र जैन,अनिल जैन सहित बड़ी संख्या में समाज के पदाधिकारी व सदस्यगण उपस्थित रहे।

सावन के प्रथम दिन गूंजे शिवालयों में हर हर महादेव के स्वर, महामृत्युंजय शिवालय में रुद्राभिषेक का हुआ आयोजन

❐ मरूधर आवाज

बाप। बाप उपखंड मुख्यालय पर सावन के प्रथम दिन महादेव की पूजा के लिए शिवालयों में लंबी कतारें देखी गई। गायत्री मंदिर में महामृत्युंजय मंदिर में बाप निवासी कन्हैयालाल भैया परिवार द्वारा रुद्राभिषेक का आयोजन किया गया ।प्रधान आचार्य राधेश्याम जोशी की 11 आचार्यो की टीम ने एक स्वर में रुद्री के पाठ कर महादेव को प्रशन्न किया ।मुख्य यजमान मनोज संगीता भैया ,ने पूजा अर्चना कर अच्छी बारिश की कामना करने के साथ खुशहाली की प्रार्थना की ।सहायक आचार्य पुजारी विकास रामावत ने बताया कि दुग्ध, मधु, दही, व जल से महादेव का अभिषेक किया ।शाम को महा आरती का आयोजन हुआ ।आरती से पूर्व महादेव का श्रंगार बहुत सुंदर ढंग से किया ।ये थे उपस्थित कन्हैया लाल भैया, रामाकिशन, ओमप्रकाश ,कमल किशोर,मनोज कुमार, दिलीप कुमार भैया,हनुमान प्रशाद, राधेश्याम राठी, बाबू लाल चाण्डक,अशोक चाण्डक,पूर्व उप प्रधान जगदीश पालीवाल, श्रवण लाहोटी, राणीदान गिराजसर,किसनलाल खत्री, गोपीलाल राठी,भगवान दास, मोहन भैया,सत्यनारायण, तिलोक राठी, सुरेश भट्टड, भोमराज भट्टड, गोपाल , दामोदर मेहता,गीता भैया,इंदु ,संगीता,रेशम भैया,मंजू राठी, सरोज ,गीता सादानी,पहल,दिव्या,खुशी भैया,महक, विजय कुमावत, जगदीशखत्री, राजेंदर,धूड चंद,आदि,।

विश्व युवा कौशल दिवस पर आज होगा राज्य स्तरीय कार्यक्रम

जयपुर। कौशल, नियोजन एवं उद्यमिता विभाग की ओर से विश्व युवा कौशल दिवस पर आज दोपहर 12 बजे से यहां जवाहर लाल नेहरू मार्ग स्थित इंदिरा गांधी पंचायती राज संस्थान के सभागार में राज्य स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कौशल, नियोजन एवं उद्यमिता राज्य मंत्री श्री अशोक चांदना कार्यक्रम के मुख्य अतिथि होंगे। शासन सचिव कौशल,नियोजन एवं उद्यमिता विभाग डॉ. आरूषी मलिक ने बताया कि समारोह में स्किल आइकन, स्किल एंबेसडर, यूथ आइकन, ब्रांड एंबेसडर, कौशल प्रतियोगिताओं के विजेताओं तथा निगम से कौशल प्रशिक्षित एवं रोजगार-स्वरोजगार से जु? दिव्यांगजन, महिला एवं भिक्षुकों सहित 97 जनों को सम्मानित किया जाएगा। साथ ही इन प्रतिभाओं के साथ संवाद भी किया जाएगा। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा प्रमुख उद्योग संगठनों के प्रतिनिधियों का संबोधन होगा।

151 पौधे लगाकर पब्लिक हेल्थ का स्थापना दिवस मनाया

❐ मरूधर आवाज

जयपुर । सीकर रोड, हरमाड़ा, जोड़ला पावर हाउस, गायत्री नगर स्थित मनीष पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल में पब्लिक हेल्थ ग्रुप के स्थापना दिवस के उपलक्ष में 151 पौधे लगाकर मनाया गया । पौधारोपण कार्यक्रम अध्यक्षता विद्यालय मैनेजिंग डायरेक्टर महावीर सिंह निठारवाल, मुख्य अतिथि सामाजिक कार्यकर्ता सिरोही के ललित चौहान, पब्लिक हेल्थ ग्रुप के वरिष्ठ सदस्य सुनील जैन, पब्लिक हेल्थ ग्रुप के संस्थापक/अध्यक्ष जेपी बुनकर के नेतृत्व में पौधा लगाया गया । महावीर सिंह निठारवाल के द्वारा कहा गया कि बरसात के मौसम में विद्यालय के विद्यार्थियों को पौधारोपण के अभियान से जोड़ने के लिए उन्हें एक-एक पौधा वितरण किया तथा पब्लिक हेल्थ ग्रुप द्वारा किए जा रहे हैं सामाजिक कार्यों की सराहना की । पब्लिक हेल्थ ग्रुप संस्थापक/अध्यक्ष जेपी बुनकर ने बताया कि ग्रुप 2014-15 से सामाजिक कार्य जैसे रक्तदान शिविर का आयोजन, चप्पल वितरण अभियान, कंबल वितरण अभियान, परिंडा अभियान, निशुल्क शिक्षा अभियान, अनाथ बच्चों और फुटपाथी बच्चों को शिक्षा से जो?ना, सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता, निशुल्क भोजन, दृष्टिबाधित बच्चों की शिक्षा में सहयोग, शराबबंदी आंदोलन, प्रतिभा सम्मान समारोह, यातायात जागरूकता कार्यक्रम, कोरोना योद्धाओ का सम्मान, संगीत प्रतियोगिता, निशुल्क पाउ व शरबत वितरण आदि छोटे -छोटे प्रकल्प के साथ निरंतर पूरी टीम के सहयोग से निस्वार्थभाव से कार्य कर रहा हैं । विद्यालय डायरेक्टर मनीष निठारवाल व प्रधानाचार्य हेमराज मंगावा ने विद्यार्थियों को अपने जन्मदिन दिवस पर एक-एक पौधा लगाने व नियमित रूप से पानी देने की शपथ दिलाई । इस मौके पर समाजसेविका कांता मेघवंशी समस्त पब्लिक हेल्थ ग्रुप की टीम मौजूद रही।

अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा - मेवाड़ व कृष्णा कल्याण संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित रक्तदान शिविर में 167 यूनिट रक्तदान हुआ

❐ मरूधर आवाज

उदयपुर (गोपाल कुमावत)। प्रवक्ता रणवीर सिंह जोलावास ने बताया कि आज भूपाल नोबल्स संस्थान के क्ष्म कॉलेज स्थित कुम्भा सभागार में आयोजित रक्तदान शिविर में 167 यूनिट रक्तदान किया ।इससे पहले प्रात:कालीन सत्र में रक्तदान से पहले पूरे वातावरण को योगाचार्य भूपेन्द्र जी शर्मा के नेतृत्व आयुर्वेदिक औषधियों के द्वारा यज्ञ आयोजित किया गया जिसमें आयुर्वेदिक ज?ीबूटियों की आहुति देकर वातावरण का शुद्धिकरण किया गया। रक्तदान शिविर का उद्घाटन जिला कलेक्टर श्री ताराचंद मीणा साहब ने मोली खोल कर किया। तत्पश्चात रक्तदान संम्पन कराने आई टीमों का जिला कलेक्टर ने उपरणा व स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। प्रात:कालीन सत्र में रक्तदान शिविर की शुरुआत जिलाध्यक्ष यादवेन्द्र सिंह रलावता, हेमेन्द्र सिंह, मनोज चौधरी ,एडवोकेट नीरज सालवी, भरत कुमावत ने जिला कलेक्टर की मौजूदगी में सबसे पहले रक्तदान कर शिविर की शुरुआत करी। इस परोपकारी व मानवसेवा के सर्वोत्तम कार्य के लिए जिला कलेक्टर ने अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा - मेवा? , कृष्णा कल्याण संस्थान और सभी का धन्यवाद अर्पित किया। कुंभा सभागार बन विश्विद्यालय में संम्पन हुवे आज के कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ मधुलिका सिंह जी मेवा? थे। जिन्होंने सभी रक्तवीरों को उपरणा / प्रशस्ति पत्र व स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया व अपने उद्बोधन से सभी को लाभान्वित किया।

पूरे कार्यक्रम का सफल संचालन मनोज जी चौधरी ने किया, जिंसमे हितेश कुमावत, नारायण मेघवाल, भानुप्रताप सिंह थाणा, भरत जी कुमावत, सवीना पार्षद ओम प्रकाश डांगी, गिरधारी सिंह राठौड़ ,पुखराज पटेल, हेमराज, महेश आदि का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

लगभग तीन बजे के आसपास कार्यक्रम के समापन पर संस्थापिका माया बहन ने सभी रक्तवीरों आज हुवे रक्तदाता शिविर में ब? च? हिस्सा लेने के लिए धन्यवाद दिया। ओर बताया कि आज का रक्तदान शिविर आशा अनुरूप 251के लक्ष्य प्राप्त नहीं किया जा सका।

फिर भी बारिश के कारण बाधित रहे मौसम जितना रक्तदान हुवा उसे भी कम नहीं कह सकते। और इसके लिए सभी युवा रक्तवीरों, भूपाल नोबल्स संस्थान, नर्सिंग स्टाफ, जिला कलेक्टर, मुख्य अतिथि व टीम के प्रत्येक सदस्य का दिल की गहराइयों सर साधुवाद ज्ञापित किया।

बजट घोषणाओं को समय पर पूरा कर राजस्थान को बनाएं उद्योगों के क्षेत्र में अव्वल

❐ मरूधर आवाज

जयपुर। मुख्य सचिव श्रीमती उषा शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार के नीतिगत निर्णयों से प्रदेश में बेहतर औद्योगिक वातावरण तैयार हुआ है और निवेश को ब?वा मिला है। उन्होंने कहा कि राज्य को उद्योगों के क्षेत्र में अव्वल बनाने के लिए अधिकारी बजट घोषणाओं को समय पर पूरा करना सुनिश्चित करें।

श्रीमती शर्मा गुरूवार को यहां शासन सचिवालय में उद्योग विभाग से संबंधित बजट घोषणाओं की क्रियान्विति की समीक्षा कर रही थीं। उन्होंने कहा कि उद्योग विभाग को लेकर की गई बजट घोषणाओं की क्रियान्विति की प्रगति अच्छी रही है, इसे और गति देकर घोषणाओं को शीघ्र पूरा करने का प्रयास करें। मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि राज्य में समग्र औद्योगिक विकास, निवेश एवं रोजगार के नए अवसर सृजित करने की दृष्टि से विभिन्न उपखण्डों में नए औद्योगिक क्षेत्र स्थापित करने के काम को गति दी जाए। औद्योगिक क्षेत्र स्थापित करने में आ रही किसी भी तरह की बाधा को विभाग आपसी समन्वय से दूर करने का प्रयास करें। उन्होंने नए औद्योगिक क्षेत्र स्थापित करने की दिशा में अब तक हुई प्रगति पर संतोष व्यक्त किया ।श्रीमती शर्मा ने अलवर में खुशखे?ा, भिवा?ी, नीमराणा, टपूक?ा एवं आसपास के क्षेत्र को शामिल कर ग्रेटर भिवा?ी इंडस्ट्रियल टाउनशिप बनाने, जोधपुर-कांकाणी-रोहट-पाली-मारवा? क्षेत्र में मारवा? इंडस्ट्रियल क्लस्टर बनाने, जयपुर में फिनटेक पार्क स्थापित करने, जोधपुर में बायोटेक एण्ड फार्मा बिजनेस इन्क्यूबेशन एण्ड रिसर्च सेंटर स्थापित करने, राजस्थान सेंटर ऑफ क्राफ्टस एण्ड डिजाइन मैनेजमेंट स्थापित करने, सलारपुर औद्योगिक क्षेत्र-ग्रेटर भिवा?ी तथा बोरानाडा-जोधपुर में मल्टी स्टोरीड इंडस्ट्रियल कॉम्पलेक्स बनाने सहित अन्य महत्वाकांक्षी घोषणाओं का कार्य टाइमलाइन के अनुसार पूरा किए जाने के निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने पचपदरा में रिफाइनरी, पेट्रोलियम, केमिकल एवं पेट्रोकेमिकल्स इन्वेस्टमेंट रीजन (पीसीपीआईआर) की स्थापना के कार्यों सहित अन्य बजट घोषणओं की भी गहन समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राज्य की अर्थव्यवस्था को सुदृ? करने एवं रोजगार के अधिकाधिक अवसर उपलब्ध कराने की दृष्टि से इन्वेस्ट राजस्थान-2022 के तहत किए जा रहे एमओयू एवं एलओआई को धरातल पर लाने के लिए विभाग सकारात्मक एवं रचनात्मक सोच के साथ कार्य करे।

अतिरिक्त मुख्य सचिव उद्योग श्रीमती वीनू गुप्ता ने बजट घोषणाओं की अब तक की प्रगति से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि विभाग बजट घोषणाओं को समय पर पूरा करने के लिए मिशन भावना के साथ जुटा हुआ है। बैठक में प्रबंध निदेशक रीको श्री नकाते शिवप्रसाद सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

साइबर सुरक्षा पर कार्यशाला

❐ मरूधर आवाज

जयपुर। सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग की ओर से गुरूवार को टेक्नो हब जयपुर में साइबर सुरक्षा विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें साइबर सुरक्षा के क्षेत्र से जु? 150 से अधिक प्रतिभागी शामिल हुए।

सूचना प्रौद्योगिकी आयुक्त श्री आशीष गुप्ता ने कार्यशाला का उद्घाटन किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में श्री शरत कविराज, आईजी एससीआरबी ने साइबर सुरक्षा पर कार्यशाला आयोजित करने के लिए आईस्टार्ट राजस्थान को बधाई दी। उन्होंने नेटवर्क उपकरणों की कमजोरियों और साइबर सुरक्षा खतरों को कम करने के सम्बंध में विचार व्यक्त किए।

आईटी विशेषज्ञ श्री समीर दत्त ने अपराध जांच से जु?ी तकनीकों के बारे में जानकारी दी। कार्यशाला में साइबर अपराध, वित्तीय धोखाध?ी और सोशल मीडिया अपराधों पर जागरूकता, साइबर बुलिंग, हैकिंग, फिशिंग, क्लोनिंग डेटा चोरी और ग्रूमिंग सहित अन्य साइबर खतरों पर चर्चा की गई। समापन सत्र में सूचना प्रौद्योगिकी आयुक्त श्री आशीष गुप्ता ने साइबर सुरक्षा के लिए विषय विशेषज्ञों, स्टार्टअप्स और अन्य लोगों से नवीनतम साइबर सुरक्षा परिदृश्य, प्रवृत्तियों और खतरों के बारे में जागरूकता फैलाने का आह्वान किया।

टीबी मुक्त राजस्थान अभियानः सीकर, जयपुर और हनुमानगढ जिले पुरस्कृत

टीबी उपचार में सचामुदायिक सहायता देने वाले निक्षय मित्र भी हुए सम्मानित

❐ मरूधर आवाज

जयपुर। प्रदेश में संचालित 'टीबी मुक्त राजस्थान' और 'निक्षय सम्बल योजना' में महत्वपूर्ण सहयोग एवं उपलब्धि अर्जित करने वाले जिलों के विभिन्न कार्मिकों एवं संस्थानों को राज्यस्तर पर सम्मानित किया गया है। टीबी मुक्त राजस्थान अभियान में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने पर सीकर जिले ने प्रथम, जयपुर-द्वितीय ने द्वितीय और हनुमानग? जिले ने तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया है। यह पुरस्कार गुरुवार को जयपुर में आयोजित हुए राज्यस्तरीय समारोह में प्रदान किये गए। साथ ही 'निक्षय संबल योजना' तहत उपचार ले रहे टीबी रोगियों को पौष्टिक आहार एवं अन्य सहायता उपलब्ध कराने वाले दानदाताओं को भी सम्मानित किया गया ।निदेशक जनस्वास्थ्य डॉ. वी.के. माथुर ने बताया कि प्रदेश में टीबी रोग के कारण शून्य मृत्यु, बीमारी और गरीबी थीम को अपनाकर 'टीबी मुक्त राजस्थान अभियान' संचालित है जिसके माध्यम से वर्ष 2025 तक टीबी रोग से होने वाली मौतों में 90 प्रतिशत तक की कमी लाने का लक्ष्य निर्धारित है।

राज्य नोडल अधिकारी (टीबी) डॉ. विनोद कुमार गर्ग ने बताया कि पिछले दो माह से आयुष्मान भारत हेल्थ एंड वेलनेस सेन्टर क्षेत्रों में यह अभियान आयोजित किया जा रहा है और इस अभियान में उत्कृष्ट कार्य करने वालों का सम्मान राज्यस्तर पर किया गया है। उन्होंने बताया कि शीर्ष टीबी यूनिट श्रेणी में श्रीमाधोपुर (सीकर), रतनग? (चूरू), हैल्थ एवं वेलनेस सेंटर श्रेणी में राजसमंद जिले के मोरा, उदयपुर जिले के थुर और मारुवास स्वास्थ्य केन्द्रों को पुरस्कृत किया गया है।

समारोह में जिलों के क्षय रोग अधिकारी, डीपीसी और डीपीपीएमसी सहित सहयोगी तकनीकी संस्थानों के प्रतिनिधिगण शामिल हुये।

आत्मिक आनन्द की अनुभूति
अमरनाथ यात्रा

अमरनाथ हिंदुओं का एक प्रमुख तीर्थ स्थल है। यह जम्मू-कश्मीर राज्य के श्रीनगर शहर से उत्तर-पूर्व में समुद्र तल से 13,600 फुट की ऊँचाई पर स्थित है। ऐसा माना जाता है कि भगवान शिव ने यहीं पर मां पार्वती को अमरता का रहस्य (जीवन-मृत्यु का रहस्य) बताया था। मृत्यु को जीतने वाले मृत्युंजय शिव अमर हैं, इसलिए अमरेश?वर भी कहलाते हैं। जन साधारण अमरेश?वर को ही अमरनाथ कहकर बुलाते हैं। अमरनाथ की गुफा में प्रतिवर्ष बर्फ का शिवलिंग स्वत: ही निर्मित हो जाता है, जिसे स्वयंभू हिमानी शिवलिंग भी कहते हैं।

हिंदू पंचांग के अनुसार श्रावण पूर्णिमा (रक्षाबंधन) तक चलने वाली इस यात्रा में लाखों भक्त बाबा के दर्शनार्थ आते हैं। राज्य सरकार के अनुसार इस बार यह यात्रा 30 जून से प्रारंभ हो रही है जो 11 अगस्त तक चलेगी, जिसका पंजीकरण बीती 11 अप्रैल से प्रारंभ हो चुका है। यद्यपि कोरोना के कारण पिछले 2 वर्षों से यह यात्रा सांकेतिक रूप में हुई। इस बार यात्रा की समयावधि 43 दिन ही रहेगी। अमरनाथ श्राइन बोर्ड के अनुसार यात्रा में 6 से 8 लाख श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है।गुफा में हिम (बर्फ) की बूंदों के टपकने से लगभग 10-12 फीट का लम्बा शिवलिंग बनता है जो पूर्णिमा की तिथि तक अपने पूरे आकार में आ जाता है और फिर अमावस्या तक धीरे-धीरे छोटा होता जाता है। यात्रा के दो मार्ग हैं एक पहलगाम होकर और दूसरा सोनमर्ग बालटाल होकर।पहलगाम यात्रा मार्ग दूसरे मार्ग से थोड़ा सरल है इसलिए अधिकतर इसी मार्ग का प्रयोग किया जाता है। पहलगाम में पहला रात्रि विश्राम होता है उसके बाद चंदनबाड़ी, पिस्सुटाप, शेषनाग, पंचतरणी और फिर बर्फानी बाबा अमरनाथ का धाम इस यात्रा के मुख्य पड़ाव हैं।

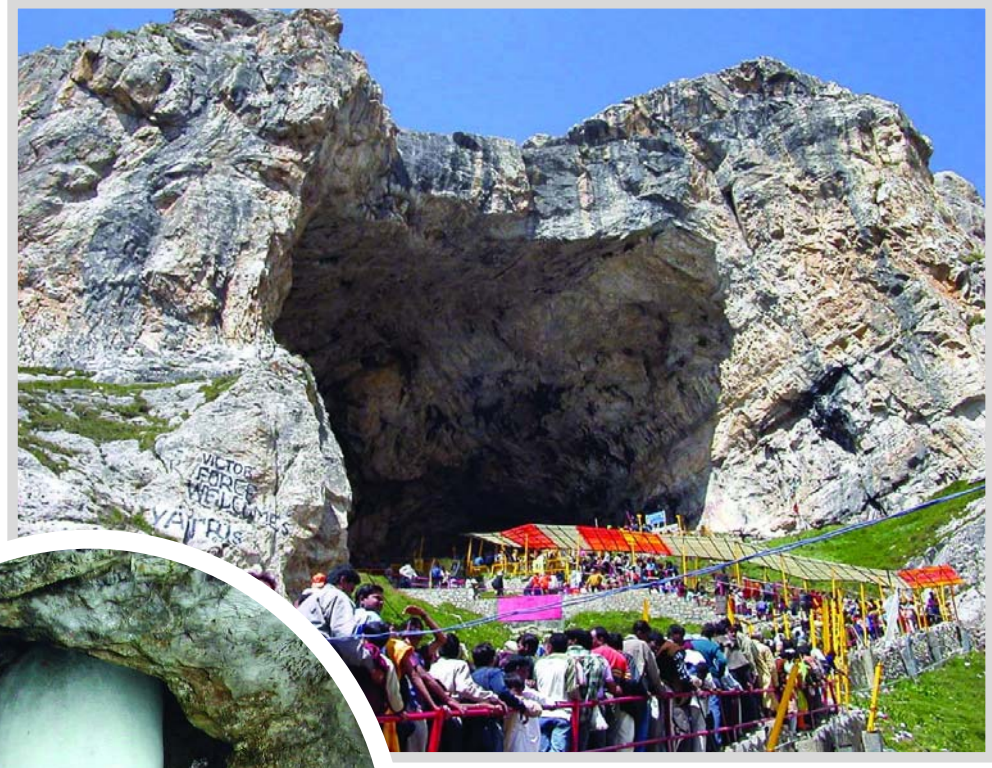

छड़ी मुबारक- श्रीनगर के दशनामी अखाड़े से पवित्र छड़ी को अमरनाथ ले जाकर रक्षाबंधन के दिन शिवलिंग के पास स्थापित किया जाता है, इसी कारण उसे छड़ी मुबारक यात्रा कहा जाता है। रक्षाबंधन से एक सप्ताह पहले श्रीनगर स्थित शंकराचार्य मंदिर में पूजा के बाद छड़ी मुबारक यात्रा आगे बढ़ती है। साधु-संत, महंत और श्रद्धालु यात्रा के साथ चलते हैं।

श्राइन बोर्ड- राज्य सरकार द्वारा वर्ष 2000 में गठित 'अमरनाथ जी श्राइन बोर्ड' यात्रियों की सुविधा, यात्रा का बेहतर प्रबंध, रहने-खाने-पीने व चिकित्सा आदि की व्यवस्था करता है। राज्यपाल इसके अध्यक्ष होते हैं। इसके अलावा कई एनजीओ और धार्मिक संगठन भी इस के प्रबंध में लगते हैं।

पंजीकरण-यात्रा के लिए पहले कश्मीर में पंजीकरण करवाना पड़ता था। अब पूरे भारत में ऑनलाइन व ऑफ्लाइन पंजीकरण कराया जा सकता है। जम्मू-कश्मीर बैंक, यस बैंक और पंजाब नेशनल बैंक की किसी भी शाखा से एक निश्?चित शुल्क देकर अपना रजिस्ट्रेशन कराया जा सकता है। यात्रा की अवधि समय/परिस्थिति के अनुसार घटती-बढ़ती रहती है। अधिक जानकारी के लिए टोल फ्री नं. 1800-180-7198 या हेल्पलाइन नं. 14464 तथा वेबसाइट हींीं://क्षज्ञीरील.पळल.ळप पर सम्पर्क किया जा सकता है।

प्रमुख दस्तावेज व अन्य जानकारी

- प्रत्येक आवेदनकर्ता को किसी भी सरकारी अस्पताल से प्राप्त स्वास्थ्य प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य है।
- चार नवीन पासपोर्ट साइज की फोटो
- 13 से 75 वर्ष की आयु का कोई भी व्यक्ति यात्रा के लिए आवेदन कर सकता है।
- 6 सप्ताह से अधिक गर्भावस्था वाली महिला का पंजीकरण नहीं होगा।
- ग्रुप रजिस्ट्रेशन 5 से अधिक और 50 से कम लोगों का होता है।
- प्रवासी (एनआरआई) श्रद्धालुओं का पंजीकरण चयनित दिन कोटा के आधार पर दिया जाता है।

यद्यपि लश्कर-ए-तैयबा के सहयोगी संगठन ने अमरनाथ यात्रा नहीं करने की चेतावनी दी है, परन्तु इस पर कश्मीर संभाग के आईजीपी विजय कुमार ने प्रत्युत्तर में कहा कि आतंकियों की किसी भी नापाक हरकत को सफल नहीं होने देंगे। घाटी में लगातार आतंकियों के विरुद्ध ताबड़तोड़ कार्रवाई चल रही है, 'जो सिर उठाएगा मारा जाएगा।' अमरनाथ यात्रा को कश्मीर पर्यटन व्यवसाय की रीढ़ माना जाता रहा है, आतंकी संगठन इस रीढ़ को तोड़ने की लगातार कोशिश करते रहे हैं। जानकारी हो कि आतंकी भले ही पूर्व में यात्रा में अनेक बाधाएं डाल चुके

तेल, घी और मसाले भी बढ़ा सकते हैं फेफड़ों के लिए मुश्किलें? एक्सपर्ट बता रहे हैं इसका कारण

सांसें अनमोल हैं। और इन पर सिर्फ प्रदूषकों का ही नहीं आपके आहार का भी असर होता है। इसलिए आपको उन फूड्स के बारे में जानना चाहिए, जो सांस लेना मुश्किल बना सकते हैं। अकसर ठंड के मौसम में, देर रात जागने पर या कुछ फ्राइड खा लेने पर आपने महसूस किया होगा कि आपके गले और छाती में कफ ज्यादा बनने लगा है। मेडिकल टर्म में इसे माइक्रोएस्पिरेशन की समस्या कहते हैं। जो श्वास नली में म्यूकोसा के क्षतिग्रस्त होने के कारण होती है। अगर इसमें लापरवाही की जाए, तो समस्या और भी गंभीर हो सकती है। इसलिए यह जरूरी है कि अगर आप या आपके परिवार में किसी को भी कफ ज्यादा बनने या श्वास संबंधी अन्य समस्याएं हैं, तो आहार का भी विशेष ध्यान रखें। क्योंकि अधिक तेल और मसालों वाले भोजन आपको ब्रीदिंग में समस्या दे सकता है। फेफड़ों के स्वास्थ्य को समझने और श्वास संबंधी समस्याओं को दूर करने के लिए हमने डॉ रवि शेखर झा से बात की। डॉ झा फोर्टिस एस्कॉर्ट्स हॉस्पिटल, फरीदाबाद में एडिशनल डायरेक्टर एवं यूनिट हैड पल्मोनोलॉजी हैं। आइए जानते हैं उन कारणों के बारे में जिन्हें दूर कर आप अस्थमा में राहत पा सकते हैं।

पर्यावरणीय कारण और सांस लेने में समस्या-डॉ झा कहते हैं, फेफड़े हमारे शरीर के अद्भुत आंतरिक अंग हैं, जो लगातार बाहरी वातावरण के संपर्क में रहते हैं। ये तापमान, नमी और प्रदूषकों के संपर्क में आते हैं। यही कारण है कि जब मौसम बदलता है और वातावरण में धूल, मिट्टी और प्रदूषक बढ़ने लगते हैं, तो फेफड़ों से जुड़ी समस्याएं भी बढ़ने लगती हैं।

यहां हैं वे तरीके जिन्हें अपनाकर आप फेफड़ों के जीवन को बेहतर बना सकती हैं-सबसे पहले तो हमें जहां तक हो सके, फेफड़ों को एक्सपोज़र से बचाना चाहिए और दूसरे, हम अपने फेफड़ों की कार्यक्षमता भी बढ़ा सकते हैं ताकि ये हर परिस्थिति का सामना कर सकें। धूम्रपान छोड़कर हम अपने फेफड़ों को सबसे बड़ा उपहार देते हैं। हमें न सिर्फ धूम्रपान छोड़ना चाहिए बल्कि पैसिव स्मोकिंग यानि परोक्ष रूप से धुंआ पीने से भी बचना चाहिए।जब एक्यूआई खराब हो तो मास्क लगाकर हम खतरनाक रसायनों को अपने फेफड़ों में जाने से रोक सकते हैं।हवा की गुणवत्ता खराब होने पर बाहर व्यायाम करने से बचें, क्योंकि जब हम शारीरिक व्यायाम करते हैं, तो ज्यादा तेजी से सांस लेते हैं। जिससे ज्यादा धूल-धक्कड़ हमारे शरीर में प्रविष्ट होती है।अपने फेफड़ों को स्वस्थ रखने के लिए हमें नियमित रूप से श्वसन व्यायाम करना चाहिए। कुछ खास तरह की श्वसन क्रियाएं जैसे पर्स्ड लिप ब्रीदिंग और डायफ्रैमेटिक ब्रीदिंग उन लोगों के लिए अच्छी होती हैं, जिनके लंग्स रोगग्रस्त होते हैं।यहां तक कि स्वस्थ फेफड़ों को भी नियमित बैलून ब्लोइंग की जरूरत होती है और डायफ्रेमेटिक ब्रीदिंग के अभ्याय से आपके फेफड़ों की क्षमता बढ़ती है। **क्यों नहीं खाना चाहिए तेल मसाले वाला भोजन**-डॉ झा सुझाव देते हैं, हमें ऐसा भोजन करना चाहिए जिससे ब्लोटिंग और एसिड रिफ्लक्स न हो। एसिड रिफ्लक्स वाले मरीज़ों को बार-बार माइक्रोएस्पिरेशन की समस्या होती है, जिसकी वजह से हमारी श्वसन नली की म्यूकोसा लगातार क्षतिग्रस्त होती रहती है। इसलिए हमें रेशेदार और बिना तेल-मसालेयुक्त भोजन करना चाहिए। अधिक तेल और मसाले कफ की मात्रा बढ़ाकर सांस लेने में दिक्कत पैदा करते हैं।

बर्नआउट से बचाकर,आपकी प्रोडक्टिविटी बढ़ा सकती है एक छोटी सी झपकी

थकान, उबासियां और फोकस का बिगड़ना किसी की भी परफॉर्मेंस खराब कर सकता है। पर क्या आप जानती हैं कि एक छोटी सी पावर नैप आपको इन सभी चीजों से बचा सकती है। घर, ऑफिस और लोगों के बीच आप पहले की तरह अब कान्फिडेंट नहीं रहती। आपकी बॉस आपके परफार्मेंस से नाखुश रहती हैं। एक तरफ आप अपनी परफार्मेंस को लेकर परेशान हैं और दूसरी तरफ आपकी सेहत साथ नहीं दे रही। हमेशा चिंतित रहती हैं। जो भी करने की सोंचती हैं वो कर नहीं पाती हैं। शरीर में काफी थकावट बनी रहती है। आपकी भावनाएं कमजोर पड़ गई है, तो हो सकता है कि आप बर्नआउट की शिकार हों। काम के ओवर लोड और समय की कमी के कारण कोई भी बर्नआउट का शिकार हो सकता है। पर एक छोटी सी पावर नैप आपको इस समस्या से उबरने में मदद कर सकती है। आइए जानते हैं आपकी सेहत और प्रोडक्टिविटी के लिए कैसे फायदेमंद है पावर नैप ।

पहले समझिए क्या है बर्नआउट-बर्नआउट हमेशा चिंता में रहने, भावनात्मक रुप से कमजोर पड़ने और एक के बाद एक अपनी मांगों को पूरा कर पाने में असमर्थ होने के कारण शुरु होती है। इस समस्या की चपेट में आने के बाद हम भावनात्मक, शारीरिक और मानसिक थकान से जूझने लगते हैं।दरअसल जैसे-जैसे तनाव बढ़ता है, इच्छाएं और कुछ कर गुजरने की प्रेरणाएं खत्म होने लगती हैं। जिसके चलते हम पहले की तरह परफार्मेंस नहीं दे पाते हैं। परफार्मेंस घटने के साथ-साथ खुद को काफी कमजोर समझने लगते हैं। कई बार ऐसा भी होता है कि हम खुद को नाकारा समझने लगते हैं। और इस स्थिति से बचना जरूरी है। कभी-कभी यह चिड़चिड़ेपन और गुस्से के साथ आता है।

क्यों आपके लिए बर्नऑउट से बचना है जरूरी-जर्मनी के डॉर्टमुंड यूनिवर्सिटी के डॉ. स्टीफ़न डायस्टेल ने एक स्टडी में पाया कि जिन लोगों को बर्नआउट की समस्या है, उनमें तनाव संबंधी बीमारीयों के होने का खतरा बाकियों की अपेक्षा 50 फीसदी अधिक देखा गया है। यह तनाव न केवल आपकी प्रोडक्टिविटी, बल्कि रिलेशनशिप को भी प्रभावित करता है। इसलिए यह जरूरी है कि आप समय रहते इससे बचें।

क्या पावर नैप बर्नआउट से बचा सकती है? जी हां ये सच है, दिन के समय एक छोटी सी पावर नैप आपको बर्नऑउट की समस्या से निजात दिला सकती है। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के शोध में यह सामने आया है कि एक छोटी सी झपकी आपको बर्नआउअ से बचा सकती है।दरअसल हर रोज लगातार एक ही काम में व्यस्त रहने से हमारे दिमाग के कुछ हिस्से में थकान होने लगती है। ऐसे में झपकी हमारे दिमाग को विराम देती है। ऐसा होने के बाद दोबारा हमारा दिमाग अपनी क्षमताओं को हासिल कर लेता है। हार्वर्ड की स्टडी बताती है कि झपकी आने के बाद दिमाग की खोई क्षमता वापस आ जाती है। और इससे हमारी परफार्मेंस बढ़ जाती है। साथ ही मूड भी बूस्ट होता है।

पॉवर नैप कैसे काम करती है-थोड़े समय की नींद या झपकी आने पर कॉगनिटीव परफार्मेंस बेहतर हो जाती है। जिस किसी को यह आती है, उसकी मनोदशा बाकियों की तुलना में अच्छी होती है। काम के दौरान झपकी आना अच्छी बात है और इससे हमारे सीखने और याद रखने की क्षमता पर पॉजिटिव असर पड़ता है।

कितनी लंबी हो पावर नैप-वहीं अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने भी एक स्टडी में पाया है कि जो पायलट कॉकपिट पर बैठकर एयरक्राफ्ट ड्राइविंग के दौरान 26 मिनट के लिए झपकी लेते हैं उनके अंदर झपकी न लेने वाले पायलट की तुलना में 54 फीसदी अधिक सतर्कता देखी गई। झपकी लेने वाले इन पायलटों की जॉब परफार्मेंस में भी 34 फीसदी सुधार देखा गया। 26 मिनट की झपकी काफी लंबी है। वैसे इससे कम समय की झपकी लेने के बाद नींद अचानक खुलें और दिमाग पूरी क्षमता से काम करने के लिए तैयार हो जाए तो ऐसी झपकी भी अच्छी है। नासा की सिफारिश है कि 10 से 20 मिनट की झपकी काफी कारगर है। सोते समय आप बिना किसी घबराहट बेचैनी के लंबी नींद लेते हैं, तो उससे भी आपको कई फायदे होते हैं। झपकी लेने से हमारी यादाश्त को बढ़ावा मिलता है, परफार्मेंस में सुधार होता है।

गर्मियों में माइग्रेन से परेशान हैं तो अपनाएं ये योग मुद्राएं, जो आपको राहत देंगी

क्या आपने माइग्रेन के लिए योग की कोशिश की है? यदि नहीं, तो इन योग मुद्राओं को करना शुरू करें जो गंभीर सिरदर्द में राहत प्रदान करने का एक प्राकृतिक तरीका है। यदि आप माइग्रेन से पीड़ित हुई हैं, तो आपने ऐसी कई चीजों की तलाश की होगी, जो इसे दूर कर दे। गर्मी बहुत से लोगों के लिए माइग्रेन की समस्या को बढ़ा देती है। यही वजह है कि गर्मी में थकान महसूस हो सकती है। योग न केवल माइग्रेन को आराम देने में बल्कि लगातार होने वाले माइग्रेन को रोकने में भी बहुत मदद करता है। योग एक अनूठा अभ्यास है जहां आपका शरीर और मन दोनों एक दूसरे के साथ और वर्तमान क्षण में तालमेल बिठाते हैं। इसलिए आपको माइग्रेन के लिए योग आजमाने की जरूरत है।रा फाउंडेशन और अनाहत ऑर्गेनिक की संस्थापक राधिका अय्यर ने हेल्थ शॉट्स से कुछ प्रभावी योग पोज़ के बारे में बात की जो गर्मियों में होने वाले माइग्रेन में मदद कर सकते हैं।

अय्यर कहती हैं, ये योग मुद्राएं माइग्रेन के प्रभाव को काफी कम कर देती हैं। यदि आप माइग्रेन को कम अरने लिए योग करना चाहती हैं, तो ये आसन मदद कर सकते हैं

1. शवासन- शवासन पूर्ण विश्राम की अवस्था है। इसे Death Poseभी कहा जाता है क्योंकि इस आसन के लिए आपको केवल लेटने की आवश्यकता होती है। इस पोजीशन में आपके शरीर का हर अंग जमीन पर होता है। यह पेट से तनाव मुक्त करता है और मस्तिष्क को ऑक्सीजन लेते हुए अधिक सचेत रूप से सांस लेने की अनुमति देता है।इस स्थिति में, आप ब्रह्मांड से सकारात्मक ऊर्जा को अपनी हथेलियों में डालने और नीचे से निकलने वाली नकारात्मक ऊर्जा की कल्पना कर सकते हैं। अय्यर कहती हैं, कुछ मिनटों के शवासन से आपको माइग्रेन से राहत मिल सकती है।

2. उष्ट्रासन- उष्ट्रासन ऑक्सीजन युक्त रक्त को आपके सिर तक पहुंचने देता है और शरीर से तनाव मुक्त करता है। यह आपके पेट को फैलाता है और साथ ही पीठ को भी मजबूत करता है। यह मुद्रा फेफड़ों की क्षमता को भी बढ़ाती है, जिससे बेहतर वायु सेवन की अनुमति मिलती है।

3. ब्रिज पोज-अगर हम माइग्रेन के लिए योग की बात करें तो ब्रिज पोज से बेहतर कोई काम नहीं है। आप अपनी गर्दन और कंधे के क्षेत्रों में बहुत अधिक तनाव रखते हैं, और यह माइग्रेन का एक बड़ा और काफी हद तक अज्ञात कारण है। ब्रिज पोज़ करने से आपके शरीर को आराम मिलता है और ऑक्सीजन युक्त रक्त आपके दिल और सिर तक जाता है। यह कूल्हों से तनाव भी मुक्त करता है।

4. चाइल्ड पोज-चाइल्ड पोज हमें सुरक्षित महसूस कराने का एक तरीका है। क्योंकि यह भ्रूण की स्थिति है, यह शरीर और अवचेतन को गर्भ की पूर्ण सुरक्षा की याद दिलाती है, जहां हमारी सभी ज़रूरतें अपने आप पूरी हो जाती हैं।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक भानु अरोड़ा के लिए महारानी प्रिंटर्स, 17 माँ वैष्णो देवी नगर, कालवाड़ रोड, जयपुर से मुद्रित एवं प्लाट नं. 6, विजय नगर, बैनाड़ रोड, जयपुर (राज.) 302012 संपादक - भानु अरोड़ा । मो. 6367718601